आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शुक्रवार 10 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, कृष्ण पक्ष-11 ■ वर्ष -42 ■ अंक-103 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 11 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

असामान्य जनसांख्यिकीय बदलावों पर लगेगी रोक : अमित शाह

नई दिल्ली,10 जुलाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे 119 जिलों के पुलिस अधीक्षकों (SPs) की एक बैठक की अध्यक्षता की। सीमा सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए लागू किए जा रहे उपायों की समीक्षा करते हुए शाह ने कहा कि सरकार देश को घुसपैठ-मुक्त बनाने के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार कर रही है। उन्होंने कॉन्फ्रेंस में कहा कि असामान्य कारणों से होने वाली आबादी की बढ़ोतरी की पहचान करने और भविष्य में इसे रोकने के उपाय सुझाने के लिए डेमोग्राफिक मिशन शुरू किया गया है। मोदी सरकार का संकल्प है कि आबादी में असामान्य कारणों से होने वाली बढ़ोतरी को रोका जाए। शाह ने कहा कि कॉन्फ्रेंस में सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी, मौजूदा चुनौतियों के समाधान तलाशे जाएंगे और

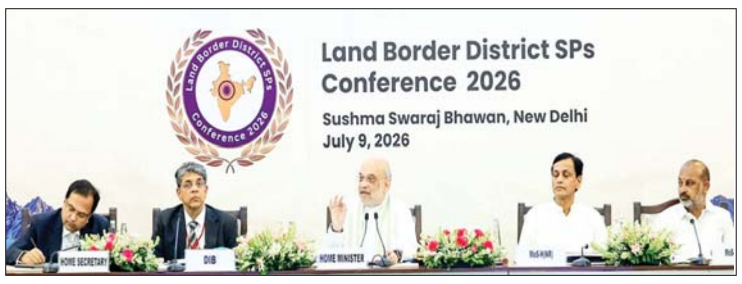

सही नीतिगत उपाय तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में, हम तटीय सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में समग्र रूप से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सीमा की सुरक्षा करने वाले बलों, राज्य और ज़िला प्रशासन, भारत सरकार के संबंधित अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों को एक साथ लाकर एक मज़बूत चौतरफ़ा सुरक्षा ग्रिड बना रही है। उन्होंने आगे कहा कि 'स्मार्ट बॉर्डर' के विज़न पर आधारित भारत का सीमा सुरक्षा सिस्टम दुनिया का सबसे आधुनिक सिस्टम बन जाएगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती इलाके और सतर्क समाज मिलकर देश की सुरक्षा और तरक्की सुनिश्चित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में नक्सलवाद और आतंकवाद से मुक्ति मिली है, जो हमारी सामूहिक सफलता का संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार नशीले पदार्थों की समस्या पर कड़ा प्रहार करेगी और अगले तीन वर्षों में उस पर जीत हासिल करेगी। पिछली सरकारों के कामकाज का ज़िक्र करते हुए शाह ने कहा कि पहले समस्याएँ तो स्थायी बनी रहती थीं, लेकिन उनके समाधान अस्थायी होते थे। उन्होंने कहा कि लेकिन अब मोदी सरकार में हम समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर रहे हैं और समाधानों को स्थायी बना रहे हैं।

चलती स्कूल वैन का खुला गेट, सड़क पर गिरा मासूम

दुर्ग,10 जुलाई ■ तरुण छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई से लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां एक मासूम बच्चा चलती स्कूल वैन से सड़क पर गिर गया। गनीमत रही कि वैन के पीछे कोई वाहन नहीं था। वरना कोई बड़ा हादसा हो सकता था। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। यह मामला छावनी थाना क्षेत्र का है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना 8 जुलाई की दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। खुर्सीपार स्थित फॉरबेल्स स्कूल की वैन बच्चों को उनके घर छोड़ने निकली थी। नंदिनी रोड पर वैन एक बच्चे को उतारकर आगे बढ़ रही थी इसी दौरान पीछे बैठा एक मासूम का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे सड़क पर गिर पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वैन के पीछे का गेट ठीक से बंद नहीं था। ड्राइवर ने जल्दबाजी में बच्चे को उतारने के बाद गेट लॉक नहीं किया। जैसे ही उसने वाहन की रफ्तार बढ़ाई, खुले गेट से बच्चा बाहर गिर गया। बच्चे के सड़क पर गिरने के बाद आसपास के दुकानदारों ने वैन चालक को रोकने के लिए आवाज लगाई, लेकिन वह करीब 300 मीटर आगे निकल चुका था। इसके बाद पीछे चल रहे कुछ बाइक सवारों ने वैन का पीछा कर उसे रोका।

गंगरेल समेत चार जलाशयों में तेजी से बढ़ा जलस्तर

धमतरी,10 जुलाई। जिले में लगातार हो रही बारिश का असर अब प्रमुख जलाशयों में साफ दिखाई देने लगा है। महानदी परियोजना के अंतर्गत आने वाले गंगरेल (रविशंकर सागर), मुरूमसिल्ली, दूधावा और सोंढूर जलाशयों में लगातार पानी की आवक हो रही है। जल संसाधन विभाग की 9 जुलाई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार चारों जलाशयों में जलस्तर बढ़ने से सिंचाई और पेयजल व्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत मिले हैं। रविशंकर सागर (गंगरेल) जलाशय का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में जलाशय में करीब 74.68 प्रतिशत लाइव स्टोरेज दर्ज किया गया है। विभाग के अनुसार लगातार हो रही वर्षा के कारण पिछले 24 घंटों में जलाशय में अच्छी मात्रा में पानी की आवक हुई है. जिससे जल भंडारण में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। मुरूमसिल्ली जलाशय में भी बारिश का अच्छा असर देखने को मिला है। वर्तमान में यहां लगभग 72.74 प्रतिशत लाइव स्टोरेज उपलब्ध है। लगातार बारिश के चलते जलाशय में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है और जल संग्रहण में सुधार हो रहा है। दूधावा और सोंढूर जलाशयों में भी लगातार पानी पहुंच रहा है। दोनों जलाशयों में पर्याप्त मात्रा में जल संग्रहित हो चुका है और मानसून की सक्रियता बनी रहने पर आने वाले दिनों में जलस्तर में और बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। जल संसाधन विभाग का कहना है कि महानदी परियोजना के सभी प्रमुख जलाशयों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

बीएसपी में क्रेन का केबिन 50 फीट नीचे गिरा, ऑपरेटर घायल

दुर्ग,10 जुलाई। भिलाई स्टील प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस एरिया में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। ब्लास्ट फर्नेस के रॉ मैटेरियल एरिया में संचालित ओवर ब्रिज क्रेन नंबर-4 का केबिन अचानक टूटकर 50 फीट नीचे गिर गया। हादसे में क्रेन ऑपरेटर ठेका मजदूर रविंद्र चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गया। केबिन नीचे गिरते समय बीच में स्टील बीम से टकराता हुआ नीचे पहुंचा। इसी वजह से वह सीधे जमीन पर नहीं गिरा, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, केबिन के भीतर बैठे ऑपरेटर को अंदरूनी चोटें आई हैं। हादसे के तुरंत बाद घायल रविंद्र चौधरी को मेन मेडिकल पोस्ट ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें सेक्टर-9 अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें आईसीयू में भर्ती कर निगरानी में रखा है। हादसे की सूचना मिलते ही बीएसपी के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

जिस दूल्हे को शराबी कहकर लौटाई थी बारात, अब उसी से मंदिर में रचाई शादी

■ तरुण छत्तीसगढ़

जांजगीर-चांपा,10 जुलाई। हाल ही में नशे में धुत दूल्हे की बारात लौटाकर पूरे प्रदेश में साहस और आत्मसम्मान की मिसाल बनीं मुस्कान प्रधान एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार कहानी ने ऐसा मोड़ लिया है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। जिस संतराम को 23 जून को शराब के नशे में होने के कारण मुस्कान ने शादी से साफ इनकार कर बारात बैरंग लौटा दी थी, अब उसी युवक के साथ मंदिर में शादी कर ली है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच बातचीत के दौरान गलतफहमियां दूर हुईं, जिसके बाद आपसी सहमति से उन्होंने शादी करने का फैसला लिया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 10 बजे मुस्कान अपने गांव कोसमंदा से परिवार परामर्श केंद्र पहुंची थी। दोपहर करीब 2 बजे वह केंद्र से निकली, लेकिन घर लौटने के बजाय सीधे संत कुमार के गांव खोखरा पहुंच गई। वहां मनका दाई मंदिर में संत कुमार और उनके परिजनों की मौजूदगी में दोनों ने हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कर लिया। बताया जा रहा है कि इस शादी की जानकारी लड़के के परिवार को पहले से थी, जबकि लड़की के परिजनों को इसकी सूचना बाद में मिली। मंदिर में विवाह के बाद दोनों ने एक-दूसरे को जीवनसाथी के रूप में स्वीकार कर लिया।ऑफिस से निकली मुस्कान के शाम तक घर नहीं पहुंचने और मोबाइल बंद आने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस और साइबर टीम उनकी तलाश में जुट गई। जांच के दौरान पता चला कि मुस्कान खोखरा गांव में संत कुमार के घर पर हैं। सूचना मिलते ही चांपा सीएसपी योगिता खपड़े पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और दोनों से बातचीत कर पूरे मामले की पुष्टि की। पुलिस के

मुताबिक, मुस्कान ने अपनी मर्जी से संत कुमार के साथ रहने और विवाह करने की बात कही। मुस्कान और संत कुमार ने बताया कि 23 जून को शादी टूटने के बाद भी दोनों लगातार फोन पर संपर्क में रहे। दोनों का कहना है कि शादी वाले दिन जो कुछ हुआ, वह एक साजिश थी। संत कुमार का दावा है कि वह शराब का सेवन नहीं करता। उसके अनुसार, शादी वाले दिन उसकी कोल्ड ड्रिंक में किसी ने नशीला पदार्थ मिला दिया था, जिससे लोगों को लगा कि वह शराब के नशे में हैं। शादी टूटने के बाद उसने मुस्कान से बातचीत की और माफी मांगी। बाद दोनों के बीच गलतफहमियां दूर हुईं और उन्होंने साथ जीवन बिताने का फैसला कर लिया। इसके बाद गुरुवार को मनका दाई मंदिर में दोनों ने विवाह कर अपने रिश्ते को नया नाम दे दिया। हालांकि, शादी वाले दिन नशीला पदार्थ मिलाए जाने के इस दावे की स्वतंत्र या आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।बता दें कि 23 जून को मुस्कान ने शादी के मंडप में नशे में पहुंचे दूल्हे को देखकर विवाह से इनकार कर दिया था। मुस्कान का यह फैसला पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया था। मुस्कान ने कहा था कि जो व्यक्ति शादी के दिन खुद को नहीं संभाल सकता, वह मुझे क्या संभालेगा।

उसके इस साहसिक फैसले की पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन और कई सामाजिक संगठनों ने सराहना की थी। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने मुस्कान को सम्मानित किया था और बाद में महिला परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलर के रूप में नियुक्ति भी दी गई थी। फिलहाल, अब शराब के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर पूरे प्रदेश में पहचान बनाने वाली मुस्कान अपने नए फैसले को लेकर फिर चर्चा में हैं। दोनों ने अपनी इच्छा से विवाह कर साथ जीवन बिताने का निर्णय लिया है।

नक्सल मामलों में बंद आदिवासियों की रिहाई की मांग, 3 हजार से अधिक ग्रामीणों ने निकाली रैली

■ तरुण छत्तीसगढ़

बीजापुर, 10 जुलाई। नक्सल मामलों में विभिन्न जेलों में बंद आदिवासी ग्रामीणों की रिहाई की मांग को लेकर बीजापुर में बड़ी संख्या में पीड़ित परिवार और ग्रामीण विधायक विक्रम मंडावी के निवास पहुंचे। भारी बारिश के बावजूद आयोजित बैठक में तीन हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया और जेलों में बंद परिजनों की निःशर्त रिहाई की मांग उठाई। बैठक के दौरान परिजनों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि वर्षों से अदालतों के चक्कर, पेशियों और वकीलों की फीस के कारण उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। कई परिवार कर्ज के बोझ तले दब गए हैं, जबकि बच्चों की पढ़ाई और आजीविका भी प्रभावित हो रही है।

बैठक में नक्सल मामलों में बंद लोगों के परिजनों ने 20 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का गठन किया। यह प्रतिनिधिमंडल आगामी 12 जुलाई को रायपुर जाकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गृह मंत्री विजय शर्मा तथा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत से मुलाकात कर बंद आदिवासी ग्रामीणों की रिहाई की मांग करेगा।बैठक को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि एक ओर आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत विभिन्न सुविधाएं दी जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर बस्तर के गरीब आदिवासी वर्षों से नक्सलियों के मददगार बताकर जेलों में बंद हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज का बड़ा वर्ग कानून और न्यायिक प्रक्रिया की जटिलताओं से परिचित नहीं है, जिसके कारण परिवार आर्थिक और मानसिक संकट झेल रहे हैं। बैठक के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों ने विधायक कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। वहीं मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम जागेश्वर कौशल को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में नक्सल मामलों में बंद आदिवासियों की निशर्त रिहाई, लंबित मामलों की समीक्षा, न्यायिक प्रक्रिया में तेजी तथा प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने की मांग की गई। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालू राठौर, शंकर कुड़ियम, भीमा मड़कम, सोनाराम बारा, वामन कड़ती, सुखराम, सरिता गोटा, कड़ती वेंकट, हेमला लक्ष्मण, सन्नू कुरसम, शैलेश मड़कम, सोड़ी रामलू, कुंजाम लक्ष्मा, मंगली अवलम, मोती कोरसा, रमेश लेकाम, पार्वती वेको, रवीना सोड़ी, रवींद्र उरसा तथा बड़ी संख्या में पीड़ित परिवार मौजूद रहे।

एमसीजी के मंच से मोदी का बड़ा ऐलान

'बिग बैश लीग' का ओपनिंग मैच तमिलनाडु में

नई दिल्ली,10 जुलाई। ऑस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को सुबह सुबह दुनिया के सबसे ऐतिहासिक क्रिकेट मैदानों में से एक, मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पहुंचे. वे ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज कप्तान स्टीव वॉ भी एमसीजी पर मौजूद रहे. इस दौरान मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के इंटरनेशनल मैस्कॉट 'रूबी द रू' से मुलाकात की. इस दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया. इस दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच खेल सहयोग को बढ़ाने के लिए एक बेहद ऐतिहासिक फैसला लिया गया. पीएम मोदी ने कहा कि इस साल के अंत दिसंबर में ऑस्ट्रेलिय की विश्व प्रसिद्ध टी-20 लीग बिग बैश लीग का आयोजन भारत के दक्षिण राज्य तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में किया जाएगा. 2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक व भारत की 2036 ओलंपिक की दावेदारी जैसे बड़े ग्लोबल स्पोर्ट्स इवेंट्स को लेकर मिलकर काम करने पर चर्चा हुई. ऑस्ट्रेलिया की मशहूर टी-20 लीग 'बिग बैश लीग' इस साल के दिसंबर में चेन्नई में आयोजित होगा और इसी के साथ ही यह इतिहास भी बन जाएगा.

आश्रम से लाखों के चंदन के पेड़ चोरी

बालोद.10 जुलाई ■ तरुण छत्तीसगढ़

बालोद जिले के ग्राम हथौद स्थित मुक्तानंद आश्रम परिसर से चंदन के पेड़ों की चोरी का मामला सामने आया है. अज्ञात बदमाश गुरवार को रात के अंधेरे में आश्रम परिसर में घुसे और खेत की मेड़ पर लगे पांच चंदन के पेड़ों को काटकर ले गए. घटना की जानकारी मिलते ही आश्रम प्रबंधन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. पूरा मामला कोतवाली थाना बालोद का है. जानकारी के अनुसार, आश्रम परिसर के खेत की मेड़ पर कुल 10 चंदन के पेड़ लगे हुए थे, जिन्हें करीब 20 से 25 साल पुराना बताया जा रहा है. चोर फेंसिंग के तार तोड़कर अंदर घुसे और मशीन से पांच पेड़ों को काटकर अपने साथ ले गए. चोरी हुए पेड़ों की ऊंचाई करीब 7 से 8 फीट बताई जा रही है.पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के साक्ष्य जुटा रही है और अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुट गई है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. एएसपी मोनिका ठाकुर ने बताया कि मुक्तानन्द आश्रम परिसर स्थित खेत से 5 चंदन के पेड़ों की चारो की घटना की रिपोर्ट दर्ज हुई है. अज्ञात आरोपियों की पतासाजी की जा रही है. चोरी हुए पेड़ों की कीमत करीब 5 लाख रुपए की बताई जा रही है. मामले में अपराध पंजीबद्ध किए जाने के बाद मामले की जांच की जा रही है.

नाबालिग बेटी से बात करने से टोका तो पिता की पीटकर हत्या

■ तरुण छत्तीसगढ़

बालोद,10 जुलाई। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के सम्बलपुर (नाहन्दा) गांव से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता को अपनी नाबालिग बेटी से बात करने से मना करना उस वक्त महंगा पड़ गया, जब आरोपी ने अपने पांच दोस्तों के साथ मिलकर उसकी लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। इस हमले में घायल पिता की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह पूरा मामला देवरी थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सम्बलपुर निवासी गौकरण साहू अपने घर में सो रहे थे। तभी देर रात 6 आरोपी उनके घर में घुस आए। आरोपियों ने सोते हुए गौकरण साहू पर बांस के डंडे और लकड़ी के राफ्टर से पीठ, सिर और कमर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। पिता की चीख-पुकार सुनकर पास में सो रही उनकी 13 वर्षीय नाबालिग बेटी जाग गई। बेटी को उठता देख घर के अंदर हमला कर रहे 4 आरोपी और बाहर निगरानी रख रहे 2 युवक मौके से भाग निकले। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल पिता को तुरंत देवरी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया। लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए देवरी पुलिस ने बारीकी से जांच शुरू की। जब पुलिस ने मृतक की नाबालिग बेटी से पूछताछ की, तो पूरा मामला खुलकर सामने आ गया। नाबालिग ने बताया कि खपराभाटा निवासी भानुप्रताप जैन (18 वर्ष) से उसकी कुछ समय से बातचीत चल रही थी। उसके पिता इस बात का लगातार विरोध कर रहे थे। इसी बात से नाराज होकर भानुप्रताप ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।

फीफा विश्वकप 2026

चैंपियन अर्जेंटीना की जीत ने बदला नजारा

जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार, टीवी कमेंटेटर, रायपुर, छ ग .

किसी भी टीम प्रतिस्पर्धा का विजेता कोई एक टीम ही होता है। इन दिनों उत्तरी, मध्य अमरीका महाद्वीप की धरती पर पुरुषों के वर्ग के फुटबॉल विश्वकप पर कब्जा जमाने के लिए 48 देशों के बीच संघर्ष जारी है। अब तो सेमीफायनल दौर में यह चैंपियनशिप पहुंच चुका है। आरंभिक दौर के बाद राउंड आफ 32, फिर राउंड आफ 16 का चक्र समाप्त हो चुका है। क्वार्टर फाइनल में आठ देशों की टीम अंतिम चार में जगह बनाने की रणनीति बना रहे हैं. पहले क्वार्टर फायनल में यूरोप महाद्वीप की टीम फ्रांस ने अफ्रीका महाद्वीप की टीम मोरक्को को 2-0 से पराजित करके सेमीफायनल में जगह बनाई है। अब जबकि फीफा विश्वकप 2026 जो कि पहले 11 जून से आरंभ हुई। धीरे-धीरे समाप्ति की ओर बढ़ती जा रही है। टीम तथा रैफरी के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। इसकी शुरुआत वर्तमान विजेता अर्जेंटीना और मिस्त्र के बीच राउंड आफ 16 के एक मैच हुए दौरान हुई। मैच के अंतिम 12 मिनट तक मिस्त्र की टीम 2-0 से आगे थी। 2022 की चैंपियनशिप और वर्तमान फीफा की वरीयता सूची में प्रथम स्थान पर काबिज है .दक्षिण अमेरिका महाद्वीप की अर्जेंटीना की टीम के खिलाड़ियों ने अंतिम 12 मिनट में मिस्त्र की टीम पर दनादन तीन गोल करके सबको हतप्रभ कर दिया और मैच जीतकर क्वार्टर फायनल में जगह बना ली। खेल में जब दो टीम खेलती है तो एक की पराजय सुनिश्चित होती है. आमतौर पर टीम अपनी हार को स्वीकार कर लेती है लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। मिस्त्र की टीम के कोच होसम हसन ने इस अप्रत्याशित पराजय के पश्चात कहा कि उनकी टीम पक्षपात की शिकार हुई। इस मैच में रेफरी ने मैदान में हो रहे खेल के अनुसार निर्णय नहीं दिये बल्कि अर्जेंटीना जैसी विश्व की नंबर एक टीम तथा महान खिलाड़ियों से सजी अर्जेंटीना की टीम को हर स्तर पर समर्थन दिया। वस्तुतः मिस्त्र का इस तरह परास्त होना उनके मुंह से जीत के निवाले को छिन लेना जैसा है। ऐसी आपत्ति को मीडिया ने भी जोर शोर से उछाला। अफ्रीकी देश मिस्त्र की फीफा द्वारा 11 जून 2026 को जारी रेंकिंग के अनुसार विश्व में वे 29 वें स्थान पर हैं। ऐसी स्थिति में पहले स्थान की अर्जेंटीना की टीम के लिए आखिरी 12 मिनट में विपक्षी टीम पर ताबड़तोड़ तीन गोल करना ताज्जुब की बात नहीं है। वैसे भी इस तरह की पुरानी शिकायतों से आपबीती को देखते हुए फीफा ने मैदान के रैफरी को निर्णय देने में मदद करने के लिए रेफरी असिस्टेंट सिस्टम का प्रावधान फीफा के मुकाबलों के लिए किया है। इसका मुख्य कार्य मैदान में कार्यरत रैफरी की मदद करना, गलतियों को सुधार जाना है, ताकि मैच में पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता बनी रहे। आज के आधुनिक युग में जब इस तरह की सुविधा उपलब्ध है तो फिर रैफरी को चूक नहीं करनी चाहिए। मिस्त्र में खिलाड़ियों की आपत्ति को नजरअंदाज करना आज फीफा विश्व कप के मुकाबलों की निष्पक्षता पर तरह के तरह के प्रश्न को उठा रहा है। इस आरोप के बाद ईरान,अल्जीरिया, आस्टेलिया,क्रोएशिया, बेल्जियम, दक्षिण अफ्रीका, पुर्तगाल और अमेरिका आदि देशों के खिलाड़ियों, प्रबंधकों ने उनके साथ हुए अन्याय का पिटारा खोल दिया है। मुझे याद है 1986 याने पिछले चालीस वर्षों से फीफा विश्वकप के मैच की जानकारी में कभी ऐसा अवसर नहीं आया। इस बार फीफा के पदाधिकारियों के समक्ष भी समस्या खड़ी हो गई है। कोई एक टीम रैफरी के निर्णय से असंतुष्ट न हो तो बात समझ में आती है लेकिन 48 में से 8 से अधिक देश रैफरी के निर्णय से असंतुष्ट है तो इसे रैफरी की मानवीय भूल है मानकर और जो हो रहा है उसे खेल भावना से जोड़ कर छोड़ दिया जाता है तो भविष्य में यह फीफा के अन्य आयोजनों के लिए बड़ी समस्या बन जाएगी। अगर ऐसा ही आगे चलकर होता है कि टीम की रेकिंग या खिलाड़ियों का चेहरा देखकर रैफरी मनमर्जी से निर्णय लेते हैं तो यह किसी और बात की ओर संकेत करता है जिससे मामला बिगड़ सकता है। अतः फीफा को किसी भी स्तर के मैच का न्याय संगत सम्पन्न कराने का जिम्मा लेना चाहिए और खिलाड़ियों की आपत्ति पर ध्यान देने के लिए रेफरी को और अधिक सतर्क रहने का निर्देश देना चाहिए. साथ ही साथ जिन्हें मैदान में उचित न्याय नहीं मिल रहा है उन्हें मैच के दौरान और मैच की समाप्ति के तुरंत बाद अपना पक्ष निर्णायक समिति के समक्ष पूरी शालीनता तथा अनुशासित होकर रखना चाहिए तभी फुटबॉल का, खेल जा भला होगा.

दक्षिण अफ्रीका में जयदीप साहू ने जीते दो स्वर्ण पदक, रचा इतिहास

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 जुलाई। दक्षिण अफ्रीका में 4 से 12 जुलाई तक आयोजित विश्व स्तरीय एशिया-पैसिफिक अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के पावरलिफ्टर जयदीप साहू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। 66 किलोग्राम भार वर्ग की क्लासिक (अनइक्विप्ड) स्पर्धा में जयदीप साहू ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले 6 जुलाई को प्रतियोगिता की इक्विप्ड श्रेणी में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया था। एक ही अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में इक्विप्ड और क्लासिक दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतने वाले जयदीप साहू छत्तीसगढ़ के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। जयदीप साहू ने अपनी इस उपलब्धि को जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य बताते हुए दोनों स्वर्ण पदक देश के वीर जवानों को समर्पित किए हैं।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता जानकी साहू, पिता एवं कोच कृष्णा साहू तथा पत्नी सोनल साहू को दिया है। जयदीप ने कहा कि उन्होंने पिछले 15 वर्षों से प्राकृतिक और पौष्टिक आहार के साथ अनुशासित जीवनशैली अपनाकर पावरलिफ्टिंग का अभ्यास किया है। उन्होंने यह साबित किया है कि बिना किसी प्रतिबंधित शक्तिवर्धक दवाओं के भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त की जा सकती है। जयदीप साहू के पिता एवं प्रशिक्षक कृष्णा साहू स्वयं अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी पावरलिफ्टर, भारतीय टीम के कोच और अंतरराष्ट्रीय निर्णायक रह चुके हैं। वे खिलाड़ी के रूप में 15 बार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं तथा भारतीय टीम के कोच और निर्णायक के रूप में 20 से अधिक बार विदेशों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्हें विक्रम पुरस्कार, गुंडाधुर पुरस्कार तथा वीर हनुमान सिंह खेल पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। जयदीप ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) द्वारा फेयर प्ले अभियान के तहत पदक विजेता खिलाड़ियों के डोप टेस्ट के लिए नमूने लिए गए, जिससे निष्पक्ष प्रतियोगिता के प्रति उनका विश्वास और मजबूत हुआ। जयदीप साहू ने अपनी इस उपलब्धि के लिए पावरलिफ्टिंग इंडिया के अध्यक्ष सतीश कुमार कुदरीली, महासचिव एवं अर्जुन पुरस्कार विजेता पी.जे. जोसफ, छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग संघ के पदाधिकारियों, भिलाई इस्पात संयंत्र के खेल विभाग तथा अपने सहयोगी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया है।

सेक्टर-1 स्थित नये कार्यालय से संचालित होंगे विजिटर पास संबंधी कार्य

भिलाई, 10 जुलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रोजेक्ट एक्सपैंशन के तहत जनसंपर्क विभाग परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का सेक्टर-1 स्थित पोस्ट ऑफिस के समीप पुराने तारघर भवन में स्थानांतरण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। स्थानांतरण के पश्चात वर्तमान में सम्पर्क एवं प्रशासन विभाग के सेंट्रल रजिस्ट्री अनुभाग, टैक्सी कंट्रोल अनुभाग, प्रोटोकॉल अनुभाग तथा जनसंपर्क विभाग का समस्त कार्य सेक्टर-1 स्थित नये कार्यालय से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में 9 जुलाई से विजिटर पास अनुभाग ने भी नये कार्यालय से कार्य प्रारंभ कर दिया है। अब विजिटर पास जारी करने एवं उससे संबंधित सभी कार्य सेक्टर-1 स्थित सम्पर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क विभाग के नये कार्यालय से ही संपादित किए जाएंगे।

85 लाख की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 जुलाई। भिलाई एक महिला को घरेलू परेशानियां दूर करने, तंत्र-मंत्र और पूजा-पाठ कराने का झांसा दिया इतनी ही नहीं आरोपी ने महिला को कभी जिन्न और प्रेत बाधा का डर दिखाया, कभी निवेश पर मोटा मुनाफा दिलाने का वादा किया गुप्त पूजा और पति के एक्सीडेंट की भविष्यवाणी कर डराया इस तरह से करीब 85 लाख रुपए ठगने वाले आरोपी को भिलाई नगर थाने पुलिस ने इंदौर से गिरफ्तार कर लिया है भिलाई नगर टीआई जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि प्रार्थिया ने थाना भिलाई नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वर्ष 2023 में रायपुर में आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान उसकी पहचान पवन बधोरिया से हुई। बातचीत के दौरान प्रार्थिया ने अपनी पारिवारिक समस्याओं की जानकारी दी आरोपी ने पूजा-पाठ कराकर समस्याओं का समाधान कराने का विश्वास दिलाया। इसके बाद आरोपी ने पूजा-पाठ, स्वयं के निजी खर्च तथा शेयर ट्रेडिंग में निवेश कराने के नाम पर विभिन्न किस्तों में लगभग 85 लाख रुपये प्राप्त किए करीब दो वर्ष बीत जाने के बाद भी कोई लाभ नहीं मिलने पर प्रार्थिया ने अपनी राशि वापस मांगने पर आरोपी ने नौकरी लगवाने का झांसा दिया तथा बाद में जान से मारने की धमकी देकर राशि वापस करने से इंकार किया। जांच में डरा-धमकाकर अवैध वसूली किए जाने के तथ्य पाए जाने पर प्रकरण में धारा 308(3) बीएनएस भी जोड़ी गई। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना भिलाई नगर में धारा 318 (4), 351(3), 308(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी की तलाश के लिए थाना भिलाई नगर की टीम गठित कर इंदौर (मध्यप्रदेश) रवाना किया गया। टीम ने तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को इंदौर से अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की आरोपी पवन बधोरिया (43 साल) ने अपराध करना स्वीकार किया गया। आरोपी के कब्जे से बैंक खाते से लिंक मोबाइल एवं आधार कार्ड जब्त किया है ।

एक नजर

शेयर ट्रेडिंग मामले में आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 10 जुलाई (तछसं.)। भिलाई लंबे समय से ऐरिना कैपिटल के संचालक योगेश साहू ने शेयर ट्रेडिंग में निवेश एवं राशि दोगुनी करने का झांसा देकर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की प्रकरण में करोड़ों के निवेश घोटाले से जुड़े कई पीड़ितों ने थाने में शिकायत कराई। अंतत सुपेला थाने पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है सुपेला टीआई अंबर सिंह भारद्वाज ने बताया कि 8 जुलाई को प्रार्थी राजू नामदेव निवासी मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई द्वारा थाना सुपेला में शिकायत प्रस्तुत की गई कि ऐरिना कैपिटल के संचालक एवं अन्य सहयोगियों ने शेयर ट्रेडिंग में निवेश कराने, निवेश पर अधिक लाभ तथा राशि दोगुनी करने का झांसा देकर उनसे 15 लाख रुपये की राशि निवेश कराई। प्रारंभ में विश्वास बनाए रखने के उद्देश्य से कुछ राशि लाभ के रूप में वापस की गई, किन्तु बाद में लाभदेना बंद कर दिया गया। विवेचना के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने अन्य कई निवेशकों से भी इसी प्रकार करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की है। विभिन्न शिकायतों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध पूर्व में थाना सुपेला एवं चौकी स्मृति नगर में अनेक अपराध पंजीबद्ध हैं विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर फरार आरोपी योगेश साहू (35 साल) निवासी ग्राम खम्हरिया थाना पाटन, हाल निवास पामवुड रेसिडेंसी कातुलबोर्ड, थाना मोहन नगर को गिरफ्तार कर लिया है।

देहज की मांग पर दो आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 10 जुलाई (तछसं.)। भिलाई दहेज की मांग कर महिला को प्रताड़ित करने के मामले में थाना वैशाली नगर थाने पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है वैशाली नगर टीआई राजकुमार लहरे ने बताया कि प्रार्थिया ने थाना वैशाली नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसके पति, सास एवं देवर दहेज की मांग करते हुए लगातार गाली-गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी तथा अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

रिपोर्ट पर पुलिस मामले में धारा 85, 296, 119(1), 115(2), 351(3), 3 (5) बीएनएस एवं धारा 4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आरोपी सुषमा पाण्डेय (50 साल) एवं अश्वनी पाण्डेय (23 साल) निवासी शांतिनगर को गिरफ्तार किया है ।

जमीन बेचने के नाम पर धोखाधड़ी, पति-पत्नी बंदी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 जुलाई । प्लॉट बेचने के लिए 8 लाख रुपए लेने के बाद भी आरोपी पति-पत्नी ने जमीन की रजिस्ट्री नहीं की। जानकारी लेने पर पीड़िता को पता चला कि उक्त भूमि को आरोपी पति पत्नी द्वारा किसी और के नाम से रजिस्ट्री कर दिया है और इसी तरह कई अन्य लोगों से भी धोखाधड़ी की गई है पीड़िता की शिकायत पर पुल गांव पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 3(5), 318 (4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया था पुलगांव थाने पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है पुलगांव प्रभारी गुरविंदर सिंह संधू ने बताया कि

प्रार्थिया संतोषी मेश्राम आर्य नगर कोहका भिलाई निवासी है उसकी जान पहचान प्रदीप चतुर्वेदी से है जिनके माध्यम से उसका परिचय नोकेश देशमुख से हुआ था संतोषी मेश्राम ने अनावेदक नेहा देशमुख और उसके पति नोकेश देशमुख निवासी वार्ड - 3 दमोदा बोरई चौकी नगपुरा थाना पुलगांव से 1240 वर्ग फीट प्लॉट को खरीदने का सौदा 5,50,000 रुपए में किया था उक्त जमीन नेहा देशमुख के नाम पर थी। पीड़िता ने ऑनलाइन एवं नगदी रकम के रूप में कुल 5,20,000 रुपए पुलगांव चौक में स्थित एक टपरी चाय दुकान में दे दी थी इसके बाद आरोपियों द्वारा व्यावसायिक कार्य आ जाने के कारण पैसों की आवश्यकता बताते हुए और उधारी के रूप में रकम मांगी तब प्रार्थिया ने अपनी मां श्यामवती जंघेल के खाते से 2,80,000 रुपए और दे दिए थे। कुल 8 लाख रुपए लेने के बाद रजिस्ट्री करने में आरोपी गण टालमटोल करने लगे। जब पीड़िता ने ऑनलाइन भुंईया ऐप के माध्यम से चेक किया तो पता चला कि जिस भूमि का उसने सौदा किया था वह भूमि को थनोद निवासी मनीषा देवांगन के नाम रजिस्ट्री कर दी गई है। आरोपी नेहा देशमुख और उसके पति नोकेश देशमुख द्वारा दीपक कुमार चौबे, दुर्गा शर्मा एवं दिनेश कुमार पांडे के साथ भी भूमि की बिक्री का बयाना लेने के बाद धोखाधड़ी की गई है ।

जामुल में मेन पाइप लाइन क्षतिग्रस्त टैंकरों से की जा रही पेयजल आपूर्ति

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जामुल, 10 जुलाई । नगर पालिका क्षेत्र जामुल में पेयजल आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो जाने से जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है। नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि शिवनाथ नदी में झेंझरी के पास स्थित जल आवर्धन योजना के इंटकवेल के समीप मेन पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। शिवनाथ नदी स्थित स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे अध्यक्ष ठाकुर ने

बताया कि नदी में तेज बहाव और जलस्तर अधिक होने के कारण पाइप लाइन के संधारण कार्य में समय लग सकता है। उन्होंने बताया कि जल संसाधन विभाग से चर्चा के बाद एनीकट के सभी गेट खुलवा दिए गए हैं, ताकि नदी का जलस्तर कम हो सके। जलस्तर कम होते ही मरम्मत कार्य तेजी से प्रारंभ किया जाएगा। नगर पालिका प्रशासन द्वारा प्रभावित वार्डों में टैंकरों के माध्यम से लगातार पेयजल आपूर्ति की जा रही है, जिससे नागरिकों को पानी की कमी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुसार नगर पालिका अपने संसाधनों से पेयजल उपलब्ध करा रही है। इंटकवेल के निरीक्षण के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी रमाकांत साहू, उप अभियंता सचिन भागवत, जल कार्य प्रभारी दयालु जंघेल सहित कर्मचारी डोमनलाल निषाद एवं देवकुमार उपस्थित थे।

दो वार्डों में 25 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात

दुर्ग, 10 जुलाई। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत विकास कार्यों को गति देते हुए आज महापौर अलका बाघमार ने वार्ड क्रमांक 8 तकिया पारा एवं वार्ड क्रमांक 25 गायत्री मंदिर वार्ड में नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर,मनीष साहू, काशीराम कोसरे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, पार्षद खालिक रिजवी, पार्षद मनीषा सोनी,गुलाब वर्मा,उपअभियंता प्रेरणा दुबे,अपर्णा मिश्रा सहित वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे। वार्ड क्रमांक 8 तकिया पारा में 15 लाख रुपए की लागत से तथा वार्ड क्रमांक 25 गायत्री मंदिर वार्ड में 10 लाख रुपए की लागत से नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य किया जाएगा।

बरसात से पहले जलभराव रोकने निगम की विशेष मुहिम

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 जुलाई। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार शहर में मानसून पूर्व नालियों की व्यापक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाने के उद्देश्य से सभी जोनों में स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीमें लगातार मैदानी स्तर पर कार्य कर रही हैं। अभियान के तहत नालियों में जमा झिल्ली, पन्नी, घास-फूस, प्लास्टिक एवं अन्य कचरे को हटाकर पानी के सुचारु बहाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। सफाई कार्य में आवश्यक संसाधनों एवं कर्मचारियों की तैनाती कर नालियों को पूरी तरह साफ किया जा रहा है, ताकि बारिश के दौरान पानी की निकासी बाधित न हो और जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने पाए। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शहर के सभी प्रमुख नालों एवं नालियों की नियमित निगरानी करते हुए समयबद्ध ढंग से सफाई कार्य पूर्ण किया जाए। साथ ही ऐसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए जहां पूर्व वर्षों में जलभराव की समस्या सामने आती रही है। नगर निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे नालियों में प्लास्टिक, कचरा अथवा अन्य अपशिष्ट सामग्री न डालें तथा शहर को स्वच्छ एवं जलभराव मुक्त बनाने में निगम प्रशासन का सहयोग करें।

भिलाई विद्यालय में छात्र परिषद का शपथ ग्रहण एवं अलंकरण समारोह आयोजित

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 जुलाई। भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में नवगठित छात्र परिषद के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी एवं सक्रिय सदस्यों का अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्रा पदाधिकारियों को पदनाम-चिन्ह एवं सदन पट्टिका प्रदान कर उनके दायित्वों एवं कर्तव्यों से अवगत कराया गया। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य विजय सिंह पवार ने विद्यार्थियों से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास पर ध्यान देने और प्रत्येक दिन स्वयं को बेहतर बनाने का प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने दायित्वों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए ऐसे कार्य करने चाहिए, जिनसे परिवार, विद्यालय एवं देश का नाम गौरवान्वित हो। विद्यालय में वर्षभर आयोजित होने वाली शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों के प्रभावी संचालन के लिए विद्यार्थियों को चैरिटी, फेथ, होप एवं पीस चार सदनों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सदन के लिए बालक एवं बालिका वर्ग से वरिष्ठ एवं कनिष्ठ प्रीफेक्ट नियुक्त किए गए। वरिष्ठ प्रीफेक्ट के रूप में चैरिटी सदन से नागेश एवं संजना साव, फेथ सदन से दीपक एवं महिमा, होप सदन से आदित्य कुमार शाह एवं लक्ष्मी बाघ तथा पीस सदन से कुनाल कुमार एवं योगिता साहू को जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं कनिष्ठ प्रीफेक्ट के रूप में चैरिटी सदन से साईं रजक एवं खुशी देवांगन, फेथ सदन से अभिनव कुमार एवं सुहानी पाढ़ी, होप सदन से ओम सिंह एवं सृष्टि साव तथा पीस सदन से रोशन प्रभाष एवं विद्या का चयन किया गया।

सदनों के मार्गदर्शन एवं संचालन के लिए शिक्षक वर्ग से सुनीता अनिल, सजिथा राजेश, संगीता मिश्रा एवं वंदना सोनवानी को मेंटर तथा एस.एन. साहू, गोवर्धन साहू, सतीश मिश्रा एवं डॉ. उपमा शुक्ला को डिप्टी मेंटर नियुक्त किया गया। वहीं सदनों की गतिविधियों के मूल्यांकन एवं समन्वय का दायित्व वरिष्ठ व्याख्याता सरिता शाक्या, डी.के. साहू, एम.के. पुरैना, पवन कुमार अग्रवाल एवं पंचराम साहू को सौंपा गया।

सहकारिता के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित करने की योजना: शंकरलाल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 जुलाई। सहकार भारती द्वारा सहकार सप्ताह के अंतर्गत सेक्टर-2 में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ सहकार सेवक एवं बुनकर प्रकोष्ठ के शंकरलाल देवांगन तथा विशिष्ट अतिथि बीएसपी एम्पलॉइज कॉपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष टी.आर. कनौजे थे। शुभारंभ सहकार भारती के संस्थापक स्वर्गीय लक्ष्मण राव ईनामदार के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शंकर लाल देवांगन ने कहा कि केंद्र सरकार सहकारिता के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सहकारिता मंत्रालय के गठन के पांच वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और मंत्रालय के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र में लगातार नए आयाम जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकार टैक्सी सेवा तथा सहकार जीवन बीमा जैसी नई पहल शुरू की जा रही हैं, जो सरकार की सहकारिता के प्रति प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता को दर्शाती हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीएसपी एम्पलाइज कॉपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष टी.आर. कनौजे ने भी सहकारिता के महत्व एवं उसके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन राकेश शुक्ला ने किया। इस अवसर पर सहकार भारती दुर्ग संभाग के संयोजक दीपक मिश्रा सहित रमेश शर्मा, गजानंद बंछोर, श्रीमती मिथिला खीचारिया, राकेश शुक्ला, श्रीमती परवीन बानो, दिनेश मिश्रा, श्रीमती ऊषा राव, श्रीमती ज्योति सोनी, शेख जहीरूद्दीन, श्रीमती अर्पणा यादव तथा बड़ी संख्या में सहकार सेवक उपस्थित थे।

स्क्रैप चोरी मामले में मलिक व देवांगन बंदी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 जुलाई। ब्लू डस्ट की आड़ में बीएसपी से 250 टन लोहा स्क्रैप चोरी मामले में पुरानी भिलाई थाने पुलिस ने प्लांट के एसएमएस 3 में पदस्थ महाप्रबंधक हिमांशु भूषण मलिक और इंजीनियर एसोसिएट्स कर्मी मनोज देवांगन को गुरुवार को गिरफ्तार किया है। इन दोनों सहित स्क्रैप वे ब्रिज कर्मी धनंजय वर्मा को सस्पेंड कर दिया गया है पुलिस की प्रारंभिक जांच में बीएसपी के दोनों अधिकारियों की संलिप्तता लोहा चोरी मामले में मिली। इस कार्रवाई के बाद बीएसपी में हड़कंप मच गया है। यह पहली बार है कि संगठित तरीके से लोहा चोरी में बीएसपी के बड़े अधिकारी की गिरफ्तारी हुई है पुरानी भिलाई टीआई विजय यादव ने बताया कि 26 मई को मुखबिर से सूचना पर ग्राम अकलोरडीह खदानपारा स्थित एकेण् ट्रेडर्स प्लॉट क्रमांक.18 एचआईए हथखोज छापा मारकर मौके पर विभिन्न हाईवाए ट्रक एवं अन्य वाहनों में फ्लू डस्ट के साथ लोहे की प्लेटए बीम एवं कटिंग सामग्री भरी हुई पाई गई। साथ ही बड़ी मात्रा में लौह स्क्रैप अलग.अलग ढेरों में संग्रहित मिला। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों ने संगठित रूप से भिलाई स्टील प्लांट से ब्लू डस्ट परिवहन के दौरान बीएसपी के लौह स्क्रैप की चोरी कर उसे उक्त स्थान पर एकत्रित किया जा रहा था। मौके से लगभग 250 टन लौह प्लेटए बीम कटिंग एवं अन्य लौह सामग्री जब्त की गई। इसके अतिरिक्त स्क्रैप परिवहन एवं लोडिंग में प्रयुक्त वाहनए जेसीबीए हाईड्रा तथा अन्य मशीनरी भी जब्त की थी। प्रकरण की

विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर पूर्व में 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। विवेचना को आगे बढ़ाते हुए बीएसपी के महाप्रबंधक आरोपी हिमांशु भूषण मलिक 54 साल एवं इंजीनियर एसोसिएट्स कर्मी मनोज कुमार देवांगन 58 वर्ष निवासी रिसाली की संलिप्तता पाने से गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस मामले में भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने अपने स्तर पर जांच टीम बनाई। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोनों अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। बताया जाता है कि लोहा चोरी में एक और की संलिप्तता धनंजय वर्मा को भी बीएसपी ने सस्पेंड किया है। प्रकरण में अब तक कुल 15 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है तथा अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है नक्शा तैयार कर काले कारोबार को खंगाला जा रहा ।

सेजस विद्यालय घुघुवा(क) में शाला प्रवेश उत्सव एवं सरस्वती साइकिल वितरण समारोह संपन्न

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,10 जुलाई। क्षेत्र के सेजस विद्यालय ग्राम घुघुवा(क) में शाला प्रवेश उत्सव, निःशुल्क सरस्वती साइकिल वितरण समारोह और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के अपील पर एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पौधा रोपण किया गया, मंच संचालन संकुल समन्वयक शिक्षक खिलेश वर्मा द्वारा करते हुए इस कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर किया गया, विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुत की गई, तत्पश्चात उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं शिक्षकों द्वारा किया गया।इसके बाद सभी अतिथियों द्वारा कक्षा 1, कक्षा 6 और कक्षा 9 के नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर मिठाई खिलाकर विद्यालय में प्रवेश दिलाया गया। कक्षा 9 के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और बी पी एल वर्ग के छात्राओं को निशुल्क सरस्वती योजना अंतर्गत साइकिल वितरण किया गया। स्वागत भाषण विद्यालय के प्राचार्य के के पहरी, थानेश्वर साहू एसएमडीसी अध्यक्ष, शैलेन्द्री साहू सरपंच द्वारा दिया गया, इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे थी, अध्यक्षता जनपद पंचायत पाटन के अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने की, विशिष्ट अतिथि नीलम राजेश चंद्राकर सभापति जिला पंचायत दुर्ग, कमलेश वर्मा उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन, प्रणव शर्मा सभापति जनपद पंचायत पाटन, राजेश चंद्राकर सांसद प्रतिनिधि पाटन विधानसभा रहे, सभी आगंतुक अतिथियों ने अपने-अपने उद्बोधन में बच्चों को आशीर्वाद देते हुए, शासन की योजनाओं की जानकारी दे कर शाला प्रवेश उत्सव का महत्व बताया व निःशुल्क सरस्वती साइकिल योजना से साइकिल प्राप्त करके इसका उचित उपयोग करते हुए सड़क में सही ओर चलते हुए प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया।प्रशांत शर्मा अध्यक्ष पालक समिति सेजेस विद्यालय ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों के सम्मुख विद्यालय की समस्याओं को रखा और विद्यालय के लिए प्रवेश द्वार, बाउंड्री वॉल, सीसी कैमरा, खेल सामग्री, मेट, डोम सेड निर्माण और अंग्रेजी माध्यम में वाणिज्य विषय प्रारंभ करने की मांग रखी, सभापति प्रणव शर्मा ने पचास हजार लागत की खेल सामग्री एवं मीट यथा शीघ्र देने की घोषणा की जिसके बाद सभी अतिथियों द्वारा पौधा रोपण किया गया, विद्यालय प्रबन्धन एवं विकास समिति की ओर से प्रशांत शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उत्तम बंजारे, भूषण सेन, दुर्वासा साहू, पूनम प्रशांत शर्मा, रवि साहू, लोकेश्वर शाहू, अशोक वर्मा, विद्यासागर निषाद, यमन मढरिया, चितरंजन साहू, शिक्षक जीवन लाल वर्मा सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

नियम विरूद्ध कीटनाशी का विक्रय, सुकुलदैहान के नित्य एवं रत्ना कृषि केन्द्र सील

■ संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 10 जुलाई। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा खाद की कालाबाजारी व जमाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिलेभर में सघन निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में कृषि विभाग की टीम द्वारा शिकायत के आधार पर जिले के विभिन्न कीटनाशी विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सुकुलदैहान स्थित

नित्या कृषि केन्द्र एवं रत्ना कृषि केन्द्र के जांच के दौरान कीटनाशी अधिनियम के विभिन्न नियमों का उल्लंघन करने पर हुए कीटनाशकों का विक्रय करना पाया गया। कृषि केन्द्रों के संचालकों द्वारा अवैध गोदाम के माध्यम से कीटनाशकों का व्यापार किए जाने, बिना स्त्रोत प्रमाण-पत्र व आवश्यक अभिलेखों के कीटनाशकों का भंडारण एवं विक्रय किए जाने तथा निर्धारित दस्तावेजों का समुचित संधारण नहीं किए जाने सहित अन्य गंभीर अनियमितता पाई गई। कृषि विभाग की टीम द्वारा अनियमितताओं को देखते हुए कृषि केन्द्रों के विक्रय परिसरों को तत्काल प्रभाव से सील कर संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कार्रवाई में सहायक संचालक कृषि श्रीमती संध्या कोचर, विकासखंड उर्वरक निरीक्षक श्री अविनाश दुबे एवं श्री मिथलेश साहू शामिल थे। कृषि विभाग की टीम द्वारा किसानों के हितों की रक्षा तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिले में कीटनाशी, उर्वरक एवं बीज विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के विरूद्ध कीटनाशी अधिनियम एवं प्रचलित नियमों के तहत कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

ईडीआईआई जर्नल की वैश्विक पहचान मजबूत

रायपुर 10 जुलाई। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफइंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद का जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (जेओई) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। सेज पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित यह पीयर-रिव्यूड शोध पत्रिका स्कोपस, वेब ऑफसाइंस (ईएससीआई) सहित कई प्रमुख वैश्विक इंडेक्सिंग प्लेटफॉर्म्स में सूचीबद्ध है। इसका एच-इंडेक्स 37 और जर्नल इम्पैक्ट फैक्टर 2.5 है। ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला के संपादन में प्रकाशित यह त्रैमासिक शोध पत्रिका वर्ष 1992 से उद्यमिता, नवाचार, सामाजिक उद्यमिता, पारिवारिक व्यवसाय और नेतृत्व जैसे विषयों पर वैश्विक शोध को बढ़ावा दे रही है। डॉ. शुक्ला ने कहा कि बीते वर्ष में जर्नल का एच-इंडेक्स 34 से बढ़कर 37 और इम्पैक्ट फैक्टर 1.9 से बढ़कर 2.5 होना भारत के बढ़ते वैश्विक शोध प्रभाव और उद्यमिता अनुसंधान की बढ़ती अहमियत को दर्शाता है।

नवा रायपुर में पॉलीमेटेक का सेमीकंडक्टर एसईजेड अधिसूचित

रायपुर,10 जुलाई। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने नवा रायपुर (अटल नगर) के मंदिर हसौद स्थित पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) को अधिसूचित कर दिया है। 10.13 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित होने वाले इस एसईज़ेड को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है। कंपनी को इससे पहले 9 जून 2026 को एसईज़ेड के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए लेटर ऑफ अप्रूवल (LoA) मिला था। नई अधिसूचना के तहत एसईज़ेड के लिए अनुमोदन समिति का गठन किया गया है तथा इसे सीमा शुल्क अधिनियम के तहत इनलैंड कंटेनर डिपो (ICD) का दर्जा भी दिया गया है। पॉलीमेटेक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ एसवारा राव नंदम ने कहा कि यह अधिसूचना भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी का लक्ष्य नवा रायपुर में विश्वस्तरीय, निर्यात-उन्मुख सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र विकसित कर रोजगार और निवेश को बढ़ावा देना है।

संक्रामक बिमारी से बचने सावधानी बरतने एवं स्वच्छता अपनाने महापौर ने नागरिकों से की अपील

राजनांदगांव 10 जुलाई। मौसमी बिमारी डेंगू,मलेरिया एवं अन्य संक्रामक बिमारियो को फैलने रोकथाम व बचाव हेतु सावधानी बरतने,

घरो एंव आसपास साफ सफाई रखने महापौर श्री मधुसूदन यादव ने नागरिकों से अपील की है। बरसात में मौसमी बिमारी डेंगू मलेरिया तथा अन्य संक्रामक बिमारी फैलने की संभावना बनी रहती है। जिसे ध्यान में रखते हुये महापौर श्री यादव ने नागरिको से कहा है कि साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये, पानी छानकर व उबालकर पीये, खाद्य पदार्थो को ढककर रखे, ताजे फल सब्जी का उपयोग करे। सर्दी बुखार होने की स्थिति में नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में सम्पर्क कर तुरंत ईलाज करावे, उन्होंने कहा कि सावधानी बरतकर ही हम स्वस्थ्य रह सकते है। महापौर श्री यादव ने कहा कि बारिश में कुलर को अच्छी तरह से साफ कर खस वाली शीट को कडक धुप में सुखाना है क्याकि डेंगू के मच्छर एंडीस के अण्डे कूलर के खस की शीट में चिपके रहते है और नमी मिलते ही जीवित हो जाते है। इसलिये धूप में सुखाना अत्यंत आवश्यक है। इसी प्रकार आंगन एवं छत की खुली हुई पानी टंकियों को ढक कर रखना है व टूटे फुटे मटके, टायर-ट्यूब, प्लास्टिक के बाटल, डब्बे को नष्ट करना है। फ्रिज के पानी जमा होने वाले ट्रे के पानी को एवं मंदिर में रखे कलश के पानी को प्रति सप्ताह बदलना है। घरों के आस पास पानी जमा नहीं होने देना है। मच्छरदानी लगाकर सोना है। इस प्रकार की सावधानी बरतकर हम डेंगू, मलेरिया एवं मौसमी संक्रामक बिमारी से बच सकते है।

नवीन पीडीएस दुकान संचालन हेतु आवेदन 19 जुलाई तक

बलौदाबाजार,10 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पलारी विकासखण्ड अंतर्गत सहकारी समितियों के द्वारा ग्राम पंचायत फुठहरडीह, छेरकाडीह और कोसमंदी में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन किया जाना है। दुकान हेतु लैम्प्स, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति,वन सुरक्षा समिति, महिला स्व सहायता समूह, ग्राम पंचायतों अन्य सहकारी समितियों से 19 जुलाई 2026 तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। समस्त दस्तावेजों के साथ आवेदन पत्र कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पलारी में कार्यालयीन अवधि में आवेदन जमा कर सकते है।

तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिली बड़ी सौगात

रायपुर, 10 जुलाई। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा तेंदूपत्ता संग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए संग्रहण पारिश्रमिक (मजदूरी) दर को 4,000 से बढ़ाकर 5,500 रू. प्रति मानक बोरा कर दिया गया है। यह राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से ऑनलाइन संग्राहकों के बैंक खातों में जमा की जा रही है मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार तेंदूपत्ता संग्राहकों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में केशकाल वनमंडल के 2,803 पात्र तेंदूपत्ता संग्राहकों को वर्ष 2023 के संग्रहण के लिए 40 लाख 39 हजार 891 रुपये की प्रोत्साहन पारिश्रमिक राशि ऑनलाइन उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा रही है। जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित, केशकाल के प्रबंध संचालक ने बताया कि प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों केशकाल और खालेमुरवेंड के संग्राहकों को ऑनलाइन एमएफ्री कलेक्शन एंड पेमेंट सिस्टम के माध्यम से सीधे बैंक खातों में भुगतान किया जा रहा है।

नीता, शशिलता और यामिनी के जीवन में वीबी-जीरामजी योजना बनी आर्थिक संबल

बढ़े श्रम दिवस और मजदूरी दर से ग्रामीण परिवारों को मिली नई मजबूती

राजनांदगांव 10 जुलाई। विकसित भारत-जीरामजी (वीबी-जीरामजी) योजना ग्रामीण श्रमिकों के लिए रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत रोजगार के अवसरों का विस्तार करते हुए श्रम दिवस 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दिए गए हैं। साथ ही दैनिक मजदूरी दर 261 रूपए से बढ़ाकर 300 रूपए किए जाने से ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि हुई है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। राजनांदगांव जिले के ग्राम फरहद की श्रमिक महिलाओं के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

श्रीमती नीता साहू बताती हैं कि वे पहले रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्य करती थी और वर्तमान में वीबी-जीरामजी योजना में कार्यरत हैं। पहले उन्हें 100 दिनों तक रोजगार मिलता था, जिसे अब बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। वहीं दैनिक मजदूरी 261 रूपए से बढ़ाकर 300 रूपए कर दी गई है। इससे परिवार के दैनिक खर्चों के साथ बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी सुविधा मिल रही है। उन्होंने इस जनहितकारी निर्णय के लिए केन्द्र एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी तरह श्रीमती शशिलता यादव ने बताया कि वीबी-जीरामजी योजना के कारण ग्रामीण श्रमिकों को पहले की अपेक्षा अधिक रोजगार मिल रहा है। रोजगार अवधि बढने् और मजदूरी दर में वृद्धि से परिवार की आय में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त आय से घर की जरूरतें आसानी से पूरी हो रही हैं और सभी मजदूरों में खुशी का माहौल है। उन्होंने शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी जनकल्याणकारी योजनाएं निरंतर संचालित होती रहनी चाहिए। ग्राम फरहद के श्रीमती यामिनी साहू ने बताया कि वे भी पहले रोजगार गारंटी योजना में कार्य करती थी और अब वीबी-जीरामजी योजना के अंतर्गत कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि श्रम दिवस बढने् और मजदूरी दर में वृद्धि से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। अतिरिक्त आय से घरेलू खर्चों का बेहतर प्रबंधन हो रहा है तथा परिवार को आर्थिक सुरक्षा का एहसास हुआ है। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य शासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस प्रकार की योजनाएं ग्रामीण परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। वीबी-जीरामजी योजना ग्रामीण श्रमिकों के लिए केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनकी आय बढ़ाकर जीवन स्तर में सुधार और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पत्रकार विजय शंकर तिवारी को जिला न्यायालय से मिली जमानत

बलौदाबाजार 10 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कसडोल थाना क्षेत्र के बहुचर्चित प्रकरण में आरोपी बनाए गए पत्रकार विजय शंकर तिवारी को जिला एवं सत्र न्यायालय से जमानत मिल गई है। विशेष सत्र न्यायाधीश अनुसूचित जाति/ जनजाति ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जमानत आवेदन स्वीकार करते हुए रिहाई का आदेश पारित किया। उल्लेखनीय है कि कसडोल पुलिस ने 28 जून 2026 को अपराध क्रमांक 260/2026 में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करते हुए विजय शंकर तिवारी सहित पांच लोगों को आरोपी बनाया था। प्रारंभिक स्तर पर कसडोल न्यायालय में जमानत आवेदन निरस्त होने के बाद जिला एवं सत्र न्यायालय में पुनः आवेदन प्रस्तुत किया गया। पत्रकार विजय शंकर तिवारी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सतीशचंद श्रीवास्तव ने प्रभावी पैरवी करते हुए न्यायालय के समक्ष तर्क रखा कि प्रकरण में उनके मुवक्किल की भूमिका का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विजय शंकर तिवारी एक पत्रकार हैं और उन्होंने शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर समाचार का प्रकाशन किया था, इनका उद्देश्य सिर्फ प्राप्त शिकायत पत्र के अनुसार पीड़ित का समाचार वीडियो प्रकाशन करना था इस दौरान उन्होंने किसी भी प्रकार से ब्लैकमेलिंग, धमकी, पैसो की मांग आदि हेतु किसी से संपर्क नहीं किया।

केसदा में मनाई गई संत कबीर जयंती

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 10 जुलाई। आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केसदा में 15वीं सदी के महान समाज सुधारक संत शिरोमणि कबीर दास जी की जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई द्य कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य श्री विनोद कुमार वर्मा जी एवं समस्त स्टाफ द्वारा संत कबीर जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और द्वीप प्रज्वलित कर की गई द्य कार्यक्रम के संचालन कर रहे व्याख्याता श्री अश्वनी कुमार साहू जी ने बताया कि इस अवसर पर प्राचार्य श्री विनोद कुमार जी वर्मा द्वारा कबीर के जीवन और उनके शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कबीर साहब ने तात्कालिक समाज में व्याप्त कुरीतियों ,अंधविश्वासों , जाति पाती और धार्मिक पाखंड का डटकर विरोध किया द्य उन्होंने हिंदू मुस्लिम एकता और मानवता के धर्म को सर्वोपरि माना । कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्र-छात्राओं द्वारा कबीर के दोहे की व्याख्या , सामाजिक संदेशों पर आधारित भाषण और कविता पाठ रहा द्य कार्यक्रम में कक्षा 12वीं के छात्र प्रवीण यादव द्वारा कबीर के प्रसिद्ध दोहे बुरा जो देखन मैं चला बुरा न मिली या कोय कविता का बहुत ही सुंदर ढंग से व्याख्या कर छात्रों को मंत्र मुग्ध कर दिया । कक्षा नौवीं की छात्रा कुमारी कविता विश्वकर्मा ने तू सत्संग में आया कर गीत प्रभु का गाया कर सांझ सवेरे बैठ के बंदे प्रभु का ध्यान लगाया कर बहुत ही सुरीले स्वर में प्रस्तुति दी जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया । छात्र-छात्राओं द्वारा कबीर जी के दोहे, जीवनी व छायाचित्र पोस्टर में उकेर कर सबका दिल जीत लिया द्य कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने संत कबीर द्वारा बताए गए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। प्राचार्य श्री विनोद कुमार जी वर्मा , वरिष्ठ व्याख्याता श्री निजाम सिंह वर्मा , श्री गोविंद निषाद , श्री अश्वनी कुमार साहू, डॉ.अनिल कुमार काठले,श्री पुष्कर राज कल्ला ,श्रीमती गंगा शर्मा , श्रीमती श्वेता वर्मा और विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

गंडई में वन विभाग की बड़ी सफलता: संरक्षित गोह सहित वन्यजीवों के दो तस्कर गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

साल्हेवारा 10 जुलाई। वनमण्डलाधिकारी, खैरागढ़ के मार्गदर्शन तथा उपवनमण्डलाधिकारी, गंडई के निर्देशन में वन परिक्षेत्र गंडई द्वारा वन्यजीव संरक्षण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत वन विभाग ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। 8 जुलाई 2026 को की गई सघन कार्रवाई में पल्सर मोटरसाइकिल से वन्यजीवों का अवैध परिवहन कर रहे दो आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-ढ्ढ में संरक्षित एक जीवित इंडियन मॉनिटर लिजर्ड (गोह), एक जीवित वाटर हेन तथा एक जीवित तीतर बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त अवैध शिकार में प्रयुक्त जाल, फंदा, चाकू एवं मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। वन विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध अधिनियम की धारा 9, 39, 48-क, 49 एवं

51(1) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की। 9 जुलाई 2026 को उन्हें माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहाँ से दोनों आरोपियों को 22 जुलाई 2026 तक न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। यह कार्रवाई वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री संजीत मरकाम के नेतृत्व में वनपाल श्री सदाराम जांघेल एवं श्री विकास हिरणवार, वनरक्षक श्री अरशद कुरैशी, श्री धर्मेंद्र साहू, श्री हेम सिंह ठाकुर, श्री प्रेम सागर सिदार, श्री अजय रात्रे, श्री अनिल कुमार गेंदले तथा सुरक्षा श्रमिकों के सक्रिय सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुई। वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वन्यजीवों का शिकार, परिवहन अथवा व्यापार गंभीर एवं दण्डनीय अपराध है। ऐसी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम वन कार्यालय को देकर वन्यजीवों के संरक्षण में सहभागी बनें।

मवेशी से टकराया बाइक सवार, 112 की मदद से जिला अस्पताल में कराया भर्ती

बलौदाबाजार 10 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। की रात्रि करीब 08:00 बजे थाना सिटी कोतवाली बलौदाबाजार के अंतर्गत आने वाले ग्राम डोटोपार मेन रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। रात्रि के घने अंधेरे में एक मोटरसाइकिल सवार मवेशी (गाय) से टकराकर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस की डायल 112 (बाज-01) टीम ने सजगता दिखाते हुए घायल को तत्काल जिला अस्पताल बलौदाबाजार में भर्ती कराया। मवेशी से टकराकर बेहोश पड़ा था घायल, शिनाख्त की कोशिश जारी- ?कंट्रोल रूम से रात्रि 08:00 बजे इवेंट (सूचना) प्राप्त होते ही डायल 112 बाज-01 में तैनात आरक्षक त्रिलोचन ध्रुव और वाहन चालक जीवन राजपूत बिना एक पल का समय गंवाए तत्काल घटनास्थल ग्राम डोटोपार मेन रोड के लिए रवाना हुए।

देवशरण सेन और सूर्यकांत श्रीवास का सम्मान

■ केश शिल्पी कल्याण बोर्ड सदस्य व एल्डरमैन बनने पर जिला सेन समाज ने किया अभिनंदन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 10 जुलाई। जिला सेन समाज ने समाज के दो प्रमुख प्रतिनिधियों को नई जिम्मेदारी मिलने पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया। छत्तीसगढ़ शासन के केश शिल्पी कल्याण बोर्ड में सदस्य मनोनीत किए गए देवशरण सेन तथा रेवाडीह सर्किल अध्यक्ष एवं नवनियुक्त एल्डरमैन सूर्यकांत श्रीवास (बबला) का समाजजनों ने फूल-मालाओं से स्वागत कर मिठाई खिलाते हुए शुभकामनाएं दीं।

जिला सेन समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में समाज के जिला संयोजक, पूर्व पार्षद एवं सांसद प्रतिनिधि देवशरण सेन को छत्तीसगढ़ शासन के केश शिल्पी कल्याण बोर्ड में सदस्य बनाए जाने पर गर्मजोशी के साथ सम्मानित किया गया। वहीं रेवाडीह सर्किल अध्यक्ष सूर्यकांत श्रीवास (बबला) के एल्डरमैन मनोनीत होने पर भी समाजजनों ने उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला सेन समाज के अध्यक्ष शेषनारायण शांडिल्य ने किया। इस दौरान दोनों पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया तथा मिठाई खिलाकर नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं और बधाई दी गई। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि देवशरण सेन और सूर्यकांत श्रीवास को मिली नई जिम्मेदारियां पूरे सेन समाज के लिए गौरव का विषय हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों जनप्रतिनिधि समाज के हितों की रक्षा करते हुए जनसेवा के कार्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे। सम्मान समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।जहां उपस्थित समाजजनों ने दोनों पदाधिकारियों के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए उनके सम्मान में तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शेषनारायण शांडिल्य, महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष श्रीमती निशा श्रीवास, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शिव कुमार सेन, ब्लॉक अध्यक्ष अनिल कौशिक, मुख्य सलाहकार धन्नूलाल सेन, भावेश शांडिल्य, श्रीमती हिलेश्वरी सेन सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

जिले के 15 नक्सल पीड़ित परिवारों एवं 13 आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास का लाभ

■ नक्सल पीड़ित परिवारों के आवास एवं जमीन के लिए 60 लाख रूपए स्वीकृत

■ आत्मसमर्पित नक्सलियों को 65 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 10 जुलाई। जिले में नक्सल पीड़ित परिवारों एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला स्तरीय पुनर्वास समिति द्वारा 15 नक्सल पीड़ित परिवारों तथा 13 आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास का लाभ प्रदान किया गया है। छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के तहत नक्सल पीड़ित परिवारों के आवास एवं जमीन के लिए 60 लाख रूपए तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए 65 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। जिले में पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी एंटी नक्सल अभियान संचालित किया गया। जिसके परिणामस्वरूप नक्सल मोर्चे पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। वहीं नक्सलियों द्वारा क्षेत्र में दहशत फैलाने, जनाधार मजबूत करने तथा मुखबिर होने के संदेह में ग्रामीणों की हत्या जैसी घटनाओं से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए जिला प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है।

कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय पुनर्वास समिति तथा पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, अतिरिक्त कलेक्टर श्री सीएल माकण्डेय एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की सदस्यता वाली समिति नक्सल पीड़ितों एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की पुनर्वास योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के प्रावधानों के अनुसार जिले के 15 नक्सल पीड़ित परिवारों को आवास एवं जमीन के बदले ग्रामीण क्षेत्र में प्रति परिवार 4-4 लाख रूपए की दर से कुल 60 लाख रूपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसके साथ ही 13 आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्रति व्यक्ति 5-5 हजार रूपए की दर से कुल 65 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि इसके पूर्व भी नक्सल पीड़ितों एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों को आर्थिक सहायता, केंद्रीय आर्थिक सहायता, शासकीय सेवा में नियुक्ति, मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना के तहत राशन कार्ड, राज्य में संचालित यात्री बसों के किराए में 50 प्रतिशत की छूट का प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न शासकीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। नक्सल पुनर्वास नीति के अंतर्गत सहायता राशि स्वीकृत होने पर नक्सल पीड़ितों के प्रतिनिधि धीरेन्द्र साहू ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन की पुनर्वास नीति से नक्सल प्रभावित परिवारों को नई उम्मीद मिली है तथा स्वीकृत 60 लाख रूपए की सहायता राशि उनके जीवन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन के संकल्प को मिल रही मजबूती

रायपुर,10 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 इस दिशा में एक प्रभावी मंच के रूप में स्थापित हुई है, जहां दर्ज शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। जांजगीर-चांपा जिले में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के समाधान की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे स्वयं हितग्राहियों से दूरभाष पर संपर्क कर फीडबैक ले रहे हैं। वे शिकायतों के निराकरण के संबंध में नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी संतुष्टि की जानकारी प्राप्त करते हैं तथा अधिकारियों को निर्देशित करते हैं कि प्रत्येक शिकायत का केवल औपचारिक नहीं, बल्कि स्थायी एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसी क्रम में पामगढ़ विकासखंड के ग्राम भंवतरा निवासी श्री देवेन्द्र दिनकर ने राशन कार्ड एवं राशन आबंटन से संबंधित समस्या मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में दर्ज कराई थी।

फिर फैक्ट्री हादसे में तीन लोग मारे गए

किसी क्षेत्र में कोई फैक्ट्री लगती है तो लोग खुश होते है अब क्षेत्र के लोगों को रोजागर मिलेगा। फलानी वस्तु का उत्पादन हमारे राज्य में होगा,राज्य के लोगों को वह वस्तु अब राज्य में ही मिलेगी और कुछ सस्ती मिलेगी। फैक्ट्री लगने राज्य व क्षेत्र का विकास होता है। सुविधाएं बढ़ती हैं। इससे फायदा होता है तो नुकसान भी होता है। एक बड़ा नुकसान यह होता है कि क्षेत्र की आबो-हवा प्रदूषित होती जाती है।कई तरह की बीमारी कई तरह के प्रदूषण के कारण होती है।सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि फैक्ट्री में हर साल कई हादसे होते हैं और वहां काम करने वाले मारे जाते हैं।फैक्ट्री से होने वाले प्रदूषण को भी रोका जा सकता है और होने वाले हादसों को भी रोका जा सकता है लेकिन सभी स्तरों पर जरूरी सजगता न होने के कारण न तो प्रदूषण को रोका जाता है और न होने वाले हादसों को रोका जाता है।एक बड़ा हादसा होता है तो कुछ दिन तक हर स्तर पर भारी हो हल्ला होता है,हादसा क्यों हुआ बताया जाता है, हादसा कैसे रोका जा सकता था, बताया जाता है। हादसा भविष्य में न हो इसके लिए क्या किया जाना चाहिए तक बताया जाता है। फिर सब सो जाते हैं दूसरा हादसा होने तक। सीधी सी बात है और हर कोई जानता है कि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। हर दुर्घटना का एक कारण तो निश्चित रूप से लापरवाही होती है।फैक्ट्री प्रबंधन से लेकर कर्मचारियों के स्तर पर हादसा न होने देने के लिए जो सजगता होनी चाहिए, वह नही होती है क्योंकि सब मानकर चलते हैं हादसा दूसरे के यहां हुआ है लेकिन हमारे यहां नहीं हो सकता।जबकि हादसा रोकने के लिए सोचा और माना तो यह जाना चाहिए कि हादसा कभी भी,कहीं भी और किसी के साथ भी हो सकता है।रायपुर उरला औद्योगिक क्षेत्र ग्राम बेंद्री स्थित मे.-3 डी इनोवेशन कारखाने में भी प्रबंधन व काम करने वाले मानकर चल रहे थे कि हमारे यहां आज तक कोई हादसा नहीं हुआ तो हो नहीं सकता, किसी नाबालिग के काम करने के कारण कोई हादसा नहीं हो सकता। हादसा हो गया और काम के दौरान आक्सीजन सिलेंडर फटने से नाबालिग सहित तीन लोगों की मौत हो गई।घटना के बाद प्रशासन ने फैक्ट्री को सील कर दिया है।पुलिस ने फैक्ट्री मालिकों सहित कई लोगों पर केस दर्ज कर लिया है।फैक्ट्री की तरफ से बताया जाता है कि हादसे में मृत लोगों के परिवारों को तीस तीस लाख मुआवजा दिया जाएगा। हादसे के बाद कार्रवाई करना प्रशासन का काम है।प्रशासन भी यही काम करता है, वह हादसा होने के बाद सक्रिय होता है और सबसे पहले फैक्ट्री सील कर दी जाती है। यह भी बताया जाता है कि फैक्ट्री कितना मुआवजा देने वाला है।यह खबर प्रमुखता से प्रकाशित व प्रसारित की जाती है।यानी प्रशासन ने अपना काम कितने अच्छे से किया और प्रबंधन अपना काम कितने अच्छे से किया।यह सुनकर व पढ़कर भी अच्छा लगता है कि आगे भी उद्योगों में सुरक्षा पर कड़ाई से काम किया जाएगा।कड़वी सच्चाई यह है कि उद्योगों में सुरक्षा की जांच करना प्रशासन का काम है।सरकारी विभाग का काम है।लेकिन जितनी जिम्मेदारी से यह काम किया जाना चाहिए नहीं किया जाता है। कोई पैसे देकर मान लेता है कि उसकी फैक्ट्री सबसे सुरक्षित माहौल है कोई पैसा लेकर मान लेता है कि इस फैक्ट्री मे सब कुछ ठीक है, सब कुछ नियमानुसार हो रहा है। हादसा हो जाए तो मुआवजा देकर कुछ दिन बाद फिर से फैक्ट्री चलाने की इजाजत मिल जाती है। हर राज्य में हर साल हादसे होते रहते हैं,छत्तीसगढ़ में भी हर साल हादसे होते रहते है। छत्तीसगढ़ मे कुछ महीने पहले अप्रैल में वेदाता पावर प्लांट मे बड़ा हादसा हुआ था।२० मजदूरों की मौत हुई थी। वही सब कुछ किया गया था जो हादसे के बाद प्रशासन करता है।मृतक के परिवार को ३५-३५ लाख रुपए मुआवजा दिया गया था।तब भी कांग्रेस की टीम ने हादसे के बाद घटनास्थल का दौरा किया था और इस बार भी कांग्रेस ने समिति गठित कर दी है वह घटना स्थल जाएगी और रिपोर्ट पीसीसी को सौंपेगी।अक्सर यह खबर तो लोगों को पढ़ने को मिलती है लेकिन कांग्रेस की रिपोर्ट के बारे मे लोगों को पता नहीं चलता है, लोगों को यह भी पता नहीं चलता है कि कांग्रेस फैक्ट्री में हादसे रोकने के लिए क्या करने वाली है या क्या क्या करती है। लोगों के मन में यह सवाल तो आ सकता है कि चाहे विभाग के लोग हों या कांग्रेस के नेता वह हादसे के बाद ही क्यों फैक्ट्री जल्दी पहुंच जाते हैं, वह हादसे के बाद जितनी तत्परता दिखाते हैं, हादसे रोकने के लिए फैक्ट्री पहुंच कर वहां सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ले तो कई फैक्टियों में जो हादसे होने वाले हैं वह हादसे न हो। हादसा कहीं भी,कभी भी और किसी के साथ भी हो सकता है और इसे रोकना सामूहिक जिम्मेदारी है। फैक्ट्री है तो फैक्ट्री चलाने वालों से लेकर वहा काम करने वालों, संबंधित विभाग, राजनीतिक दलों में जिसकी सरकार है और जो विपक्ष में है।सबको फैक्ट्रियों में जाकर देखना चाहिए कि वहां काम करने वालों के लिए सुरक्षा का प्रबंध कैसा है।नहीं तो सबको मिलकर सुरक्षा प्रबंध करने के लिए फैक्ट्री संचालक को विवश करना चाहिए। हादसे के बाद फैक्ट्री बंद की जा सकती है तो हादसे रोकने के लिए फैक्ट्री सुरक्षा प्रबंध न होने पर बंद कर दिया जाना चाहिए।इससे कम से कम काम करने वालों की मौत तो नहीं होगी। अच्छा सभी के लिए यह है मौत के बाद राजनीति न की जाए।लोगों की जान बचाने के लिए राजनीति की जाए।जैसे अभी भिलाई में आयुक्त को हटाना था तो भाजपा कांग्रेस नेता एक हो गए और हटाकर दम लिया। इसी तरह भाजपा व कांग्रेस नेता फैक्ट्रियों में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करें तो सब उनकी तारीफ करेंगे।

विश्लेषण

27 की पटकथा कैसे अयोध्या से लिखी जा रही है ?

संजय सक्सेना,लखनऊ,

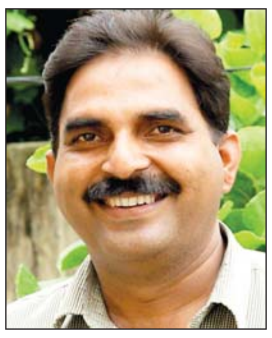

अयोध्या की पावन धरा पर इन दिनों सिने जगत के प्रसिद्ध अभिनेता अनुपम खेर अपनी आगामी फिल्म 'श्री राम भूमि' की शूटिंग के सिलसिले में पहुंचे हैं। हनुमानगढ़ी में मत्था टेकने और रामलला के दर्शन करने के बाद उन्होंने जो कहा, वह केवल एक बयान नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने दान पेटी में चोरी की घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा, अगर किसी के घर में चोरी होती है, तो हम चोर को कोसते हैं, न कि उस पवित्र घर को लांछन लगाते हैं। यह एक छोटा-सा वाक्य उन तमाम शक्तियों को जवाब है, जो मंदिर की गरिमा को एक तुच्छ घटना के जरिए कमतर आंकने की कोशिश कर रही हैं। राम मंदिर का निर्माण कोई साधारण निर्माण कार्य नहीं है। यह पाँच शताब्दियों के संघर्ष, अनगिनत बलिदानों और न्याय के लिए किए गए लंबे इंतजार की परिणति है। राम भक्त जब आज अयोध्या की गलियों में चलते हैं, तो उनके पैरों में उस मिट्टी का गौरव होता है, जिसके लिए उनके पूर्वजों ने अपनी जानें न्योछावर कर दी थीं। अनुपम ने दो टूक कहा, दान चोरी जैसी घटनाओं से मंदिर की पवित्रता कम नहीं हो सकती, क्योंकि राम मंदिर भक्तों के लिए महज ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि उनके अस्तित्व और अस्मिता का केंद्र है। एक चोर की नीच हरकत, जो लोभवश की गई हो, वह उस आस्था को कैसे हिला सकती है, जिसने मुगलों के अत्याचार और सदियों के विध्वंस को झेलने के बाद भी अपनी जड़ों को जीवित रखा? भक्त जानता है कि रामलला का मंदिर उस अखंड भारत की स्मृति है, जिसकी रक्षा के लिए हिंदू समाज हर चुनौती का सामना करने को तत्पर रहता है। अनुपम खेर के कहने का सार यही था कि अयोध्या में दान चोरी को लेकर जिस तरह की सियासी बयानबाजी हो रही है, वह चिंताजनक है। विपक्षी दलों द्वारा इस घटना को मुद्दा बनाकर भाजपा, आरएसएस और साधु-संतों को अपमानित करने का जो प्रयास किया जा रहा है, वह स्पष्ट रूप से असुविधाजनक राजनीति का हिस्सा है। बहरहाल, विपक्ष की यह रणनीति कि मंदिर के बहाने सत्ता पर निशाना साधा जाए, जमीनी हकीकत से कोसों दूर दिखती है। आम हिंदू मानस में यह सवाल उठ रहा है कि क्या विपक्ष को मंदिर की सुरक्षा में हुई चूक पर अफसोस है या वह इस घटना को एक हथियार के रूप में उपयोग करना चाहता है? जब दरगाहों, मदरसों या वक्फ बोर्ड में अनियमितताओं की खबरें आती हैं, तब इसी विपक्ष की चुप्पी यह दर्शाती है कि इनकी धर्मनिरपेक्षता का पैमाना चुनिंदा है। हिंदू समाज इस दोहरे मानदंड को भली-भांति देख और समझ रहा है। आश्चर्य होता है कि अयोध्या में चंदा चोरी पर हल्ला मचाने वाले दिग्गज राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल वक्फ बोर्ड, दरगाहों और मदरसों से जुड़ी अनियमितताओं के आरोपों, देश-विरोधी गतिविधियों के खिलाफ कभी मुंह नहीं खोलते हैं। इस पर आलोचकों का तर्क है कि इन नेताओं की चुप्पी तुष्टिकरण की राजनीति का हिस्सा होती है, जबकि संबंधित नेताओं का रुख यह रहता है कि वे ऐसे मामलों में सबूतों और कानूनी प्रक्रिया का इंतजार करते हैं। हाल के वर्षों में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के हस्तांतरण और प्रबंधन को लेकर देश के विभिन्न राज्यों में गंभीर सवाल उठे हैं। विपक्षी नेताओं ने वक्फ (संशोधन) विधेयक के विरोध में मुखरता दिखाई है, लेकिन जब वक्फ बोर्ड के भीतर भ्रष्टाचार या कुप्रबंधन की विशिष्ट शिकायतों की बात आती है, तो ये नेता मौन साधे रहे। जानकारों का कहना है कि किसी भी बड़ी अनियमितता के आरोपों पर इन नेताओं द्वारा कोई स्पष्ट बयान न देना मतदाताओं के एक वर्ग को साधने की रणनीति के रूप में देखा जाता है। इसी प्रकार से उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में मदरसों की जांच के दौरान विदेशी फंडिंग और वित्तीय अनियमितताओं के दावे किए गए हैं। इन जांचों के दौरान जब मदरसों के प्रबंधन पर सवाल उठे, तो अखिलेश यादव जैसे नेताओं ने इसे केवल धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाने की कार्रवाई करार दिया। उन्होंने इन संस्थाओं के भीतर वित्तीय पारदर्शिता या भ्रष्टाचार के विशिष्ट आरोपों पर विस्तृत टिप्पणी करने के बजाय प्रशासनिक कार्रवाई को ही राजनीतिक रंग दिया, जिससे यह संदेश गया कि वे संस्थागत सुधारों पर चुप्पी साधे हुए हैं। वहीं, कई दरगाहों और उनके ट्रस्टों के प्रबंधन को लेकर समय-समय पर स्थानीय स्तर पर धांधली और चंदे के दुरुपयोग की खबरें आती रही हैं। राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं का स्टैंड अक्सर धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता के संरक्षण पर केंद्रित रहता है। वे ऐसे विवादों में तब तक दूरी बनाए रखते हैं, जब तक कि कोई बड़ा न्यायिक निर्णय या व्यापक सार्वजनिक आक्रोश न हो। आलोचक इसे एक चुनिंदा चुप्पी के रूप में देखते हैं, जहां भ्रष्टाचार के मुद्दों को केवल इसलिए नहीं उठाया जाता, क्योंकि वे धार्मिक संस्थानों से जुड़े होते हैं। यह स्थिति भारतीय राजनीति के उस जटिल दौर को दर्शाती है, जहां भ्रष्टाचार के मुद्दे भी धर्म और पहचान की राजनीति के घेरे में आ जाते हैं। ऐसे में, इन नेताओं की चुप्पी न केवल उनके राजनीतिक स्टैंड पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि धर्म से जुड़े संस्थानों में सुधार की प्रक्रिया राजनीतिक रूप से कितनी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। उधर, राजनीतिक पंडितों का मानना है कि 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए विपक्ष की चंदा चोरी पर हल्ला मचाने वाली रणनीति आत्मघाती साबित हो सकती है। जाति-पाति के नाम पर हिंदू समाज को बांटने की कोशिशें तब और ज्यादा आक्रामक हो जाती हैं, जब वे अपनी सांस्कृतिक पहचान पर प्रहार महसूस करते हैं। इतिहास गवाह है कि जब-जब राम, मंदिर या सनातन संस्कृति का अपमान करने का प्रयास हुआ है, तब-तब हिंदू मतदाता ने राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर लामबंद होकर जवाब दिया है। विपक्ष का मंदिर पर हमला, वास्तव में सीधे उन करोड़ों मतदाताओं के हृदय पर चोट है, जिन्होंने राम मंदिर को अपने जीवन का सबसे बड़ा सपना माना था। यह संभव है कि विपक्ष की यह कुत्सित राजनीति हिंदू मतदाताओं को और अधिक एकजुट कर दे और वे बीजेपी के साथ और मजबूती से खड़े हो जाएं। खैर, अनुपम खेर जैसे कलाकारों का अयोध्या आना और वहां की आस्था को फिल्म के माध्यम से वैश्विक पटल पर ले जाना, यह संदेश देता है कि अयोध्या अब केवल तीर्थ नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में पुनर्जीवित हो रही है। मंदिर की गरिमा चोरों से नहीं, बल्कि उन लोगों के संकल्प से मापी जाएगी, जो 500 साल तक उस मंदिर के लिए लड़े।लब्बोलुआब यह है कि राजनीति आती-जाती रहेगी, चुनाव आएंगे और जाएंगे, लेकिन राम के प्रति भक्तों का विश्वास एक ऐसे अटल सत्य की तरह है, जिसे किसी भी राजनीतिक बयानबाजी या छोटी-मोटी चोरी के दावों से डिगाया नहीं जा सकता। यदि विपक्ष ने अपनी रणनीति नहीं बदली, तो 2027 का चुनाव उनकी उम्मीदों के विपरीत, एक बार फिर हिंदू अस्मिता की बड़ी विजय का साक्षी बन सकता है।

सू- दोकू क्र.095

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.094 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

शब्द सामर्थ्य -095

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रामाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

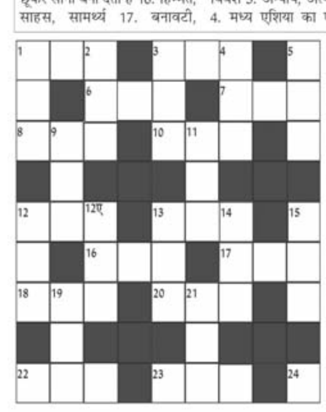

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 094 का हल

प	सं	द		सिं	हा	स	न	
ख		म	ज	दू	र		का	म
वा	द	क		र		सं	ब	ल
ड़		ल	ज्जा		म	स्का		य
	बा			बि	हा	र		
सु	धा	क	र		न			औ
रं		म		कि	ता	ब		स
ग		अ	र	सा		हु	ज्ज	त
	श	क्ल		न	मि	त		न

अखिलेश से नाराज साइलेंट मुस्लिम वोटर बड़ा खतरा

अजय कुमार,

उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों एक बेहद खामोश लेकिन गहरा वैचारिक बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसकी धुरी समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव के इर्द-गिर्द घूम रही है। पारंपरिक रूप से 'एम-वाई' (मुस्लिम-यादव) समीकरण के दम पर सत्ता के शिखर तक पहुँचने वाली समाजवादी पार्टी की हालिया रणनीतियों को लेकर राजनीतिक गलियारों से लेकर आम जनता के बीच यह सवाल तैर रहा है कि क्या अखिलेश यादव को हिंदू वोटरों की नाराजगी का डर सताने लगा है? यह सवाल बेवजह नहीं है। पिछले कुछ समय से अखिलेश यादव और उनकी पार्टी का रुख उन मुद्दों पर बेहद नपा-तुला और रक्षात्मक रहा है, जो कभी उनके मुख्य वोट बैंक यानी मुस्लिम समुदाय से सीधे जुड़े माने जाते थे। मुस्लिम समाज के कई कार्यक्रमों से दूरी बनाना, संवेदनशील सांप्रदायिक या समुदाय-विशेष के मुद्दों पर तीखे बयानों के बजाय चुप्पी साध लेना या बेहद सामान्य प्रतिक्रिया देना, इस बात का साफ संकेत है कि पार्टी अपनी पुरानी 'मुस्लिम तुष्टिकरण' वाली छवि से पीछा छुड़ाना चाहती है। अखिलेश यादव भली-भांति जानते हैं कि उत्तर प्रदेश जैसे ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल में अगर बहुसंख्यक हिंदू समाज में यह संदेश गया कि सपा केवल एक खास वर्ग की राजनीति करती है, तो वोटों का भारी नुकसान तय है। 2014 के बाद से देश और प्रदेश की राजनीति में जो 'कम्युनल कंसोलिडेशन' यानी बहुसंख्यक वोटों का एकतरफा झुकाव भाजपा की तरफ हुआ है, उसने विपक्षी दलों को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दिया है। इसी का नतीजा है कि अखिलेश यादव अब अपनी छवि को सॉफ्ट हिंदुत्व और सर्वसमावेशी 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के लिफाफे में लपेटकर पेश कर रहे हैं, जिसमें अल्पसंख्यक (मुस्लिम) सिर्फ एक हिस्सा हैं, न कि पूरी राजनीति का केंद्र बिंदु। इस रणनीतिक बदलाव का सीधा असर मुस्लिम समुदाय के भीतर महसूस किया जा रहा है। मुस्लिम बुद्धिजीवियों और आम वोटरों का एक बड़ा धड़ा अब खुलकर यह कहने लगा है कि समाजवादी पार्टी संकट के समय उनके साथ खड़ी नहीं दिखती। चाहे वह दंगों या विवादों के बाद की कानूनी कार्रवाइयां हों या फिर समुदाय से जुड़े अन्य भावनात्मक मुद्दे, अखिलेश यादव की सधी हुई चुप्पी ने इस पारंपरिक वोट बैंक के भीतर एक असुरक्षा और उपेक्षा का भाव भर दिया है। इसी खालीपन का फायदा उठाने के लिए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी लगातार सक्रिय हैं। ओवैसी जनसभाओं में बार-बार इस बात को दोहरा रहे हैं कि अब वह समय चला गया, जब 'अखिलेश मुख्यमंत्री बनेंगे और अब्दुल्ला दरी बिछाएगा'। ओवैसी का यह तंज सीधे तौर पर मुस्लिम समाज की उस राजनीतिक चेतना को झकझोरता है, जो खुद को सिर्फ एक 'वोट बैंक' के रूप में इस्तेमाल होते देखकर थक चुकी है। ओवैसी की यह दलील मुस्लिम युवाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, जो अब केवल भाजपा को हराने के नाम पर सपा को एकतरफा वोट देने की मजबूरी से बाहर निकलना चाहते हैं। हालांकि, ओवैसी पर अक्सर भाजपा की 'बी-टीम' होने का आरोप लगता है और उनका वोट बैंक सीमित है, लेकिन यदि वह मुस्लिम वोटों में पांच से दस प्रतिशत की भी सेंधमारी करने में कामयाब रहे, तो अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के लिए सत्ता की राह बेहद मुश्किल हो जाएगी। राजनीति की इस बिसात पर केवल ओवैसी ही अखिलेश यादव की मुश्किलें नहीं बढ़ा रहे हैं, बल्कि पर्दे के पीछे एक और बड़ा बदलाव आकार ले रहा है। मुस्लिम समुदाय का एक ऐसा धड़ा भी सामने आ रहा है, जो भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की विकासवादी नीतियों से प्रभावित नजर आ रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं, जैसे- मुफ्त राशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत कार्ड का लाभ बिना किसी भेदभाव के मुस्लिम आबादी के एक बड़े हिस्से तक पहुँचा है। इस 'लाभार्थी वर्ग' के भीतर एक नया राजनीतिक दृष्टिकोण जन्म ले रहा है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलने से मुस्लिम महिलाओं और गरीब तबके में एक सुरक्षा और संतुष्टि का भाव आया है। भले ही यह वोटर सार्वजनिक रूप से या सामाजिक दबाव के कारण भाजपा का झंडा लेकर मैदान में न उतरे, लेकिन वोटिंग के दिन ईवीएम का बटन दबाते समय यह वर्ग 'साइलेंट वोटिंग' के जरिये भाजपा के पक्ष में खड़ा हो सकता है। यह सच है कि भाजपा के कोर एजेंडे और उसकी विचारधारा के कारण मुस्लिम समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा उससे दूरी बनाए रखता है, लेकिन लाभार्थियों का यह नया साइलेंट ग्रुप अगर दो से चार प्रतिशत भी भाजपा की तरफ शिफ्ट होता है, तो वह सपा के पारंपरिक गणित को पूरी तरह बिगाड़ सकता है। अखिलेश यादव की इस नई रणनीति को राजनीतिक विश्लेषक एक सोची-समझी मजबूरी मानते हैं। अखिलेश जानते हैं कि केवल मुस्लिम और यादव वोटों के सहारे उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बनाई जा सकती। उन्हें गैर-यादव ओबीसी और सवर्णों के एक हिस्से का समर्थन हर हाल में चाहिए। यही कारण है कि वह खुद को एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जो सभी वर्गों की बात करता है। वह मंदिरों के चक्कर लगाते हैं, हिंदू त्योहारों की शुभकामनाएं प्रमुखता से देते हैं, लेकिन साथ ही मुस्लिम मंचों पर जाने से कतराते हैं, ताकि बहुसंख्यक समाज में कोई गलत संदेश न जाए। लेकिन इस 'संतुलन बनाने की कला' में वह एक पतली रस्सी पर चल रहे हैं। यदि मुस्लिम वोटरों को यह यकीन हो गया कि समाजवादी पार्टी उन्हें केवल टेकन फॉर ग्रांटेड (यानी सुरक्षित मानकर उपेक्षित) ले रही है, तो वे अन्य विकल्पों की तलाश तेज कर देंगे। कांग्रेस का राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होना और बसपा का अपना वजूद बचाने की लड़ाई लड़ना भी मुस्लिम वोटों के बिखराव का कारण बन सकता है। ऐसे में, यदि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मुस्लिम वोटों का बिखराव ओवैसी, कांग्रेस और भाजपा के साइलेंट वोटर्स के रूप में हो गया, तो समाजवादी पार्टी को भारी राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है और अखिलेश यादव की 'हिंदू नाराजगी से बचने' की यह कवायद उनके अपने ही सबसे मजबूत किले को ढहाने का कारण बन सकती है।

कजरी रे कजरी.. यह क्या हो गया

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

किचन के काले पड़ चुके बर्तनों को चमकाने वाली कजरी आज खुद राख जैसी मटमैली लग रही थी। सुनील ने जब अपनी खिड़की से देखा तो वह एक फटे हुए बोरे की तरह आँगन के कोने में ढह गई थी। उसकी आँखों का पानी मर चुका था और होठों पर अजीब सी पपड़ी जमी थी। शहर में जब भी कोई बड़ी गाड़ी आकर रुकती तो कजरी के भीतर का कौतुक जाग जाता था लेकिन आज उसके घुटने छाती से सट गए थे। सुनील ने चाय का कुल्हड़ हाथ में लिया और उसकी तरफ बढ़ गए क्योंकि उन्हें कजरी की यह खामोशी भीतर तक चीर रही थी। उन्होंने कजरी के सर पर हाथ रखने की कोशिश की तो उसने बिजली के झटके की तरह खुद को समेट लिया। सुनील ने गहरी सांस लेकर पूछा कि कजरी बेटी आज यह बर्तन अनाथ क्यों पड़े हैं और तुम्हारी इस देह का सारा नूर कहाँ विलीन हो गया है। कजरी ने अपनी सूजी हुई आँखें उठाईं और सुबकते हुए कहा कि बाबूजी इस संसार में जब पुरुषोत्तम जैसे लोग पूजे जाते हैं तब हम जैसी चिड़ियों के पर कतर दिए जाते हैं। वह पुरुषोत्तम जिसके नाम के आगे मर्यादा लिखी है उसकी कोठरी के भीतर रोज एक नया नर्क जन्म लेता है जहाँ ताजी कलियों को मसलकर मदिरा के प्याले भरे जाते हैं। सुनील को लगा कि कजरी की जुबान से निकला एक एक शब्द समाज के चेहरे पर जलता हुआ तेजाब फेंक रहा है। उनके भीतर का लेखक छटपटा उठा क्योंकि उन्हें लग रहा था कि इस छोटे से कस्बे की सबसे हंसमुख लड़की के भीतर कोई गहरी नदी डूब चुकी है। कजरी की बातें सुनकर सुनील का कलेजा मुंह को आने लगा और उन्होंने कजरी का हाथ थामकर उसे ढांढस बंधाने का असफल प्रयास किया। आँगन में धूप अब कड़वी होने लगी थी और कजरी के आंसू उस सूखी मिट्टी में गिरकर तुरंत गायब हो रहे थे जैसे गरीब की दुआएं इस आसमान में खो जाती हैं। कजरी ने अपने फटे हुए आंचल को समेटते हुए कहा कि बाबूजी कल रात जब पूरा शहर मीठी नींद सो रहा था तब पुरुषोत्तम की हवेली की बत्तियां चीख रही थीं। वहां बड़े बड़े साहब लोग आते हैं और उनकी गाड़ियों के पहिये हमारी रीढ़ की हड्डी को कुचलकर आगे बढ़ जाते हैं। मुझे कहा गया था कि वहां जाकर केवल जूठे बर्तन समेटने हैं लेकिन जब मैं भीतर गई तो मुझे लगा कि मैं किसी श्मशान में आ गई हूँ जहाँ जिंदा रूहों का व्यापार होता है। सुनील ने पूछा कि कजरी तुमने वहां ऐसा क्या देख लिया जिसने तुम्हारी रूह को इस कदर झकझोर दिया है और तुम इस तरह थरथर कांप रही हो। कजरी ने कांपती उंगलियों से आसमान की तरफ इशारा किया और बोली कि बाबूजी वहां कानून के rक्षक ही भक्षक बनकर बैठे थे और जो तिजोरी की चाबी है वह पुरुषोत्तम के तकिये के नीचे दबी रहती है। समाज का यह कैसा व्यंग्य है कि जिसके नाम में ही उत्तम छुपा है वह भीतर से इतना कलुषित और भयावह हो सकता है। सुनील को महसूस हुआ कि कजरी केवल अपनी पीड़ा नहीं रो रही थी बल्कि वह इस पूरे तंत्र की सड़न को अपने आंसुओं से धोना चाह रही थी जो कभी धुल नहीं सकती। हवा में एक अजीब सी मनहूसियत तैर रही थी और सुनील की चाय अब पूरी तरह ठंडी होकर अपनी रंगत खो चुकी थी। कजरी ने अपनी फटी हुई साड़ी के छोर से चेहरा छिपाया और फिर एक ऐसी बात कही जिसने सुनील के पैरों तले की जमीन खिसका दी। कजरी ने रोते हुए कहा कि बाबूजी आपको क्या लगता है कि जो लड़कियां वहां रोज आती हैं वे अपनी मर्जी से इस दलदल में पैर रखती हैं। गांव की भोली चिड़ियों को अच्छे काम का लालच देकर इस पिंजरे में बंद किया जाता है और फिर गिद्धों की तरह उनकी अस्मत को नोचा जाता है। वहां बड़े बड़े नेता और अफसर सलाम बजाते हैं क्योंकि उनकी किस्मत के फैसले उसी बंद कमरे की काली रातों में लिखे जाते हैं। सुनील ने कजरी को सांत्वना देते हुए कहा कि बेटी तुम घबराओ मत हम पुलिस के पास चलेंगे और इस घिनौने सच का पर्दाफाश करेंगे ताकि तुम्हें न्याय मिल सके। कजरी इस बात पर कड़वाहट से हंस पड़ी और उसकी हंसी में जो दर्द था वह किसी भी संवेदनशील इंसान के कलेजे को छलनी करने के लिए काफी था। कजरी ने कहा कि बाबूजी आप किस पुलिस की बात करते हैं जो खुद उस पुरुषोत्तम के दरवाजे पर पहरा देती है ताकि भीतर चल रहे पाप की भनक बाहर किसी को न लग सके। इस व्यवस्था की आंखें तो उसी दिन फूट गई थीं जिस दिन पहली बार किसी असहाय लड़की की चीख को पैसों की खनक के नीचे दबा दिया गया था। रहस्य का कुहासा अब और गहरा होता जा रहा था क्योंकि सुनील को समझ नहीं आ रहा था कि कजरी इस सबमें इतनी गहराई से कैसे जुड़ गई। उन्होंने बहुत ही कोमल स्वर में पूछा कि कजरी तुम वहां बर्तन मांजने गई थीं तो फिर तुम्हारे भीतर यह आक्रोश और यह जानलेवा भय अचानक कहाँ से आ गया। क्या पुरुषोत्तम ने तुम्हारे साथ भी कोई दुराचार करने का दुस्साहस किया है जिसके कारण तुम्हारी यह दशा हुई है। कजरी ने अपना सिर जोर जोर से हिलाया और उसकी आंखों से खून के आंसू बहने लगे जो उसके गालों की धूल को काटते हुए नीचे गिर रहे थे। उसने कहा कि बाबूजी मेरी किस्मत तो पहले से ही फूटी थी लेकिन कल रात जो आहुति उस हवन कुंड में दी गई वह मेरी अपनी कोख से जन्मी थी। मेरी छोटी बेटी मुनियां जो अभी ठीक से बोलना भी नहीं सीखी थी उसे कल शाम शहर घुमाने के बहाने वो लोग ले गए थे। सुनील का पूरा बदन जड़ हो गया और उन्हें लगा कि उनके कानों में पिघला हुआ सीसा डाल दिया गया हो क्योंकि इस भयानक सच की उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। कजरी ने अपनी छाती पीटते हुए कहा कि बाबूजी मुझे लगा था कि बड़ी हवेली के लोग दयालु होते हैं और वो मेरी मुनियां को नया फ्रॉक दिलाएंगे पर वो तो कसाई निकले।

पार्क के कोने में लगे बूढ़े बरगद की पत्तियां भी इस करुण क्रंदन को सुनकर जैसे सहम गई थीं और हवा का चलना बिल्कुल बंद हो गया था। सुनील ने कांपते हुए कजरी के दोनों हाथ अपने हाथों में लिए और रुंधे हुए गले से पूछा कि कजरी फिर मुनियां कहाँ है और वह वापस क्यों नहीं आई। कजरी ने अपनी फटी हुई साड़ी की गिरह खोली और उसमें से एक छोटा सा चांदी का कड़ा निकालकर सुनील की हथेली पर रख दिया। यह वही कड़ा था जिसे सुनील ने मुनियां के जनमदिन पर उसे बहुत चाव से पहनाया था और उसकी खनक पूरे मोहल्ले में गूंजती थी। कजरी ने हिचकी लेते हुए कहा कि बाबूजी मुनियां अब इस दुनिया के झंझटों से आजाद हो गई है और वह पुरुषोत्तम के कमरे के पीछे वाले कुएं में सो रही है। उन्होंने कहा कि लड़की बीमार थी और अचानक शांत हो गई इसलिए उसे वहां दफन कर दिया गया ताकि बदनामी न हो। सुनील की आंखों से आंसुओं का सैलाब उमड़ पड़ा और उन्हें लगा कि उनका लेखक होना और समाज सुधार की बातें करना सब एक ढोंग मात्र था। इस पूरे तंत्र के ऊपर यह इतना तीखा और मार्मिक व्यंग्य था कि शब्द भी अपनी सार्थकता खोकर कजरी के पैरों में दम तोड़ रहे थे।

सुनील ने उस चांदी के कड़े को अपनी छाती से लगा लिया और उनका रोना अब एक चीख में तब्दील हो चुका था जिसे सुनने वाला कोई नहीं था। कजरी ने अचानक अपनी आँखें मूंद लीं और वह बिल्कुल शांत हो गई जैसे उसके भीतर की बची खुची सांस भी मुनियां को ढूंढने के लिए निकल गई हो। समाज के ठेकेदार अपनी गाड़ियों में घूमते रहे और पुरुषोत्तम का कमरा आज भी उसी तरह सज रहा था जहाँ नई कलियों की खुशबू का सौदा होना था। सुनील ने कजरी के ठंडे पड़ते शरीर को देखा और आसमान की तरफ देखकर पूछा कि इस न्याय के मंदिर में आखिर कब तक कजरियों और मुनियां की बलियां चढ़ती रहेंगी। इस मार्मिक अंत ने पूरे कस्बे की आत्मा को झकझोर कर रख दिया था और हर कोई अपनी लाचारी पर आंसू बहाने के अलावा कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। यह कहानी समाप्त होकर भी समाज के माथे पर एक ऐसा कलंक छोड़ गई जिसे कोई भी कानून और कोई भी व्यवस्था कभी साफ नहीं कर पाएगी।

स्काउट-गाइड की गतिविधियों को मिलेगी नई गति

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर,10 जुलाई। भारत स्काउट एवं गाइड जिला बस्तर के जिला मुख्य आयुक्त सुरेश गुप्ता के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल एवं स्काउट-गाइड के पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर एवं भारत स्काउट एवं गाइड बस्तर के जिला संरक्षक आकाश छिकारा से सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया तथा भारत स्काउट एवं गाइड का स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान जिला मुख्य आयुक्त सुरेश गुप्ता ने जिले में संचालित स्काउट-गाइड की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्काउट-गाइड के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना, आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्र प्रेम जैसे संस्कार विकसित किए जा रहे हैं। नए शिक्षा सत्र में अधिक से अधिक विद्यालयों एवं विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड से जोड़ने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने जिला स्काउट-गाइड की आवश्यकताओं एवं समस्याओं से संबंधित ज्ञापन भी कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से जिला स्काउट एवं गाइड कार्यालय के लिए स्थायी भवन उपलब्ध कराने तथा आर्थिक रूप से कमजोर स्काउट एवं गाइड विद्यार्थियों के लिए यूनिफॉर्म मद में आवश्यक बजट आबंटित करने का आग्रह किया गया ताकि जिले में संगठन की गतिविधियों का और अधिक प्रभावी संचालन हो सके।

कलेक्टर एवं जिला संरक्षक आकाश छिकारा ने स्काउट गाइड द्वारा किए जा रहे समाजोपयोगी एवं व्यक्तित्व निर्माण के कार्यों की सराहना करते हुए सभी मांगों पर सकारात्मक विचार कर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड जैसी संस्थाएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और प्रशासन भी ऐसे रचनात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए सदैव तत्पर रहेगा।

प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि जिला प्रशासन के सहयोग से बस्तर जिले में स्काउट-गाइड गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी तथा अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं इस संगठन से जुड़कर राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाएंगे।इस अवसर पर परमेश राजा, सूर्य भूषण सिंह, श्रीमती सुधा परमार जिला गाइड आयुक्त, मनोज महापात्र जिला मुख्यालय आयुक्त, दसरू राम यादव डीओसी, जयप्रकाश पाठक डीटीसी, लिलेश देवांगन जिला सचिव, श्रीमती मीरा हिरवानी डीओसी गाइड, श्रीमती जमुना ठाकुर गाइडर, गोपेंद्र सिंह शार्दुल जिला कोषाध्यक्ष, विजय चंद्राकर जिला मीडिया प्रभारी अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एक नजर

पंप का बिजली कनेक्शन जोड़ते समय करंट लगने से पूर्व सरपंच की मौत

जगदलपुर, 10 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर जिले के भानपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हली में खेत में सिंचाई के दौरान एक दर्दनाक हादसे में करंट लगने से ग्राम कुम्हली निवासी एवं पूर्व सरपंच टीकम सिंह बघेल (40), पिता स्व. धनसिंह बघेल की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मृतक टीकम सिंह बघेल अपने खेत में धान रोपाई के लिए सिंचाई करने पहुंचे थे। खेत में लगे मोटर पंप को चालू करने के लिए वे बिजली का कनेक्शन जोड़ रहे थे। इसी दौरान अचानक विद्युत प्रवाहित हो गई और वे करंट की चपेट में आ गए। करंट लगते ही टीकम सिंह गंभीर रूप से झुलसकर खेत में गिर पड़े। उनकी आवाज सुनकर आस-पास काम कर रहे किसान और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों ने तत्काल बिजली का संपर्क बंद कराया और उन्हें खेत से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया,लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक अपने परिवार के साथ खेती-किसानी का कार्य करते थे, और गांव के पूर्व सरपंच भी रह चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही भानपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भानपुरी सिविल अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया । पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक सप्ताह से अंधेरे में रह रहे मिचनार के दो गांवों में बहाल हुई विद्युत व्यवस्था

जगदलपुर, 10 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर जिले के चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मिचनार-वन एवं गंवर छापर मिचनार-टू में पिछले लगभग एक सप्ताह से बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण इन गांवों के 400 से अधिक ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने सहित दैनिक कार्यों में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। जिला प्रशासन की दखल के बाद विद्युत विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तकनीकी खराबी को दूर किया और आवश्यक मरम्मत कार्य पूर्ण करते हुए आज गुरूवार को विद्युत व्यवस्था पुनः बहाल कर दी गई है। विद्युत व्यवस्था बहाल होने से अब दोनों गांवों में पेयजल आपूर्ति सामान्य हो गई है तथा घरेलू और अन्य आवश्यक कार्य भी नियमित रूप से संचालित होने लगे हैं। ग्रामीणों ने त्वरित कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन एवं विद्युत विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला प्रशासन ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है, तथा जनसुविधाओं से जुड़े मामलों में तत्परता के साथ कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रधानाध्यापक ने संकुल की समस्त शालाओं में बिस्किट वितरित कर मनाया जन्मदिन

कोंडागांव 10 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला कोंडागांव के विकासखंड कोंडागांव अंतर्गत प्राथमिक शाला मुलमुला के प्रधानाध्यापक भरतलाल नागवंशी ने आज 10 जुलाई शुक्रवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर सेवा और सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए संकुल की समस्त शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच बिस्किट वितरित किए। इस अवसर पर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। प्रधानाध्यापक श्री नागवंशी ने कहा कि जन्मदिन का वास्तविक आनंद तभी है, जब उसकी खुशियाँ समाज और बच्चों के साथ साझा की जाएँ। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन, स्वच्छता और अच्छे संस्कार अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संकुल के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने इस प्रेरणादायी पहल की सराहना करते हुए श्री नागवंशी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। जन्मदिन को सादगी और सेवा भावना के साथ मनाने की इस पहल की क्षेत्र में भी सराहना की जा रही है।

भ्रष्टाचार और विवादों के साये में खत्म हुआ नवीन टोंडे का कार्यकाल, नई टीम के सामने व्यवस्था सुधारने की चुनौती

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 10 जुलाई। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना बीजापुर में प्रभारी कार्यपालन अभियंता के रूप में पदस्थ रहे नवीन टोंडे का कार्यकाल समाप्त हो गया है। नवंबर 2024 से पदस्थ रहे अधिकारी का कार्यकाल विभिन्न विवादों, प्रशासनिक शिकायतों और भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण लगातार चर्चा में रहा। अब नए अधिकारियों के सामने लंबित मामलों के निराकरण और विभागीय कार्यप्रणाली में विश्वास बहाल करने की चुनौती होगी।

कर्मचारियों से व्यवहार पर भी उठे सवाल

कार्यालय के कुछ कर्मचारियों ने दबी जुबान में नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर आरोप लगाया कि कार्यकाल के दौरान उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। कर्मचारियों का कहना था कि विरोध करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई का डर बना रहता था। कार्यालयीन माहौल को लेकर भी समय-समय पर असंतोष सामने आया।

खरीद, भुगतान और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप

पूर्व प्रभारी अधिकारी पर स्टेशनरी एवं फर्नीचर खरीदी, वाहनों के भुगतान, फर्जी लॉगबुक के आधार पर टीए बिल भुगतान सहित विभिन्न वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए गए। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक जांच और पुष्टि होना अभी शेष है।

ठेकेदारों ने लगाए कमीशन और वसूली के आरोप

कई ठेकेदारों एवं पेटी ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि बिल भुगतान और डीएससी (डिजिटल हस्ताक्षर) से संबंधित प्रक्रियाओं में अवैध कमीशन की मांग की जाती थी। कुछ ठेकेदारों का यह भी आरोप रहा कि मांग पूरी नहीं होने पर निर्माण कार्यों की जांच कराकर उन्हें निरस्त कर पुनः टेंडर प्रक्रिया में भेजा गया, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक नुकसान उठाना पड़ा। इन आरोपों पर पूर्व प्रभारी अधिकारी का पक्ष जानने के कई प्रयास किए गए, लेकिन उनका कोई आधिकारिक जवाब सामने नहीं आया।

मामला ठेकेदार संगठन तक पहुंचा

लगातार शिकायतों के बाद मामला छत्तीसगढ़ कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन तक पहुंचा। संगठन द्वारा उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायत भेजे जाने की जानकारी भी सामने आई। कुछ ठेकेदारों ने आर्थिक और मानसिक दबाव का आरोप लगाते हुए गंभीर शिकायतें दर्ज कराईं।

लंबित भुगतान भी रहे चर्चा में

सूत्रों के अनुसार, विभाग में कई सड़क निर्माण कार्यों के भुगतान लंबे समय तक लंबित रहे। ठेकेदारों का आरोप था कि भुगतान प्रक्रिया अनावश्यक रूप से रोकी गई। हालांकि विभाग की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सार्वजनिक नहीं किया गया।

नए अधिकारियों के सामने बड़ी चुनौती

अब विभाग में नए अधिकारियों की नियुक्ति के बाद सबसे बड़ी चुनौती लंबित प्रकरणों का निष्पक्ष निराकरण, विवादित मामलों की समीक्षा, ठेकेदारों का विश्वास बहाल करना तथा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और गति लाना होगी। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नई टीम विभाग की कार्यशैली में कितना सुधार ला पाती है।

शालेय शिक्षक संघ की प्रभावी कार्यशैली से प्रभावित होकर खंड शिक्षा अधिकारी ने ग्रहण की सदस्यता

■ प्रांतीय पदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्ष की उपस्थिति में हुआ सदस्यता ग्रहण, शिक्षक हितों के लिए सक्रिय सहभागिता का लिया संकल्प

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गीदम, 10 जुलाई । शालेय शिक्षक संघ, जिला दंतेवाड़ा की संगठनात्मक कार्यशैली, शिक्षक हितों के प्रति समर्पित प्रयासों एवं प्रभावी गतिविधियों से प्रभावित होकर प्रमोद सिंह भदौरिया, व्याख्याता, स्वामी आत्मानंद कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुआकोंडा, जो वर्तमान में खंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड कुआकोंडा के दायित्व का निर्वहन भी कर रहे हैं, ने गुरुवार को स्वेच्छा से छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन को छोड़कर शालेय शिक्षक संघ की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण के दौरान श्री भदौरिया ने संगठन के नियमों एवं सिद्धांतों का पालन करते हुए शिक्षक हित, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा संगठन की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने का विश्वास व्यक्त किया। इस अवसर पर शालेय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र एवं प्रांतीय पदाधिकारी शैलेश सिंह एवं कुलदीप सिंह चौहान, पुरुषोत्तम साहू सहित संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने श्री भदौरिया का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा उन्हें सदस्यता ग्रहण करने पर शुभकामनाएँ दीं। जिला अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र ने कहा कि प्रमोद भदौरिया के संगठन से जुड़ने से शिक्षक हितों के संरक्षण एवं संगठनात्मक गतिविधियों को नई मजबूती मिलेगी। संगठन ने उनके उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

बंदूक की गूंज थमी, अब गूंजेगी क ख ग

रायपुर, 10 जुलाई। छत्तीसगढ के सुकमा जिले का गच्छनपल्ली गांव कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता था। लंबे समय तक यहां विकास कार्य प्रभावित रहे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में अब शासन की 'नियद नेल्ला नार' (आपका अच्छा गांव) योजना और जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से गांव में बदलाव की नई कहानी लिखी जा रही है। करीब 20 वर्ष पहले नक्सली हिंसा में गांव का स्कूल भवन नष्ट हो गया था। इसके बाद बच्चों की पढ़ाई अस्थायी झोपड़ियों और आंगनबाड़ी भवन में चलती रही। सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चे शिक्षा से जुड़े रहे, लेकिन उन्हें सुरक्षित और बेहतर वातावरण नहीं मिल पा रहा था। जिला प्रशासन ने नियद नेल्ला नार योजना के तहत गच्छनपल्ली में नया पक्का स्कूल भवन बनाया। अब गांव के बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक वातावरण में पढ़ने का अवसर मिल रहा है। यह स्कूल भवन केवल एक इमारत नहीं, बल्कि गांव के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक बन गया है। नए स्कूल भवन का शुभारंभ स्थानीय परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर सरपंच, उपसरपंच, पंच, पारंपरिक पुजारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। वर्षों बाद अपने गांव में पक्का स्कूल देखकर ग्रामीणों की खुशी देखते ही बन रही थी। कलेक्टर सुकमा श्री अमित कुमार ने कहा कि शासन का उद्देश्य नक्सल प्रभावित और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना है। गच्छनपल्ली में नया स्कूल भवन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ेगी और शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बनेगा। गच्छनपल्ली की यह कहानी बताती है कि विकास और शिक्षा हर चुनौती पर विजय प्राप्त कर सकती हैं। जहां कभी भय और सन्नाटा था, वहां आज बच्चों की पढ़ाई और मुस्कान की गूंज सुनाई दे रही है। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से गांव में विकास का नया अध्याय शुरू हुआ है, जो आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य की मजबूत नींव बनेगा। गच्छनपल्ली का नया स्कूल इस बात का प्रमाण है कि जब शासन की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं।

कांग्रेस का गांव चलो अभियान साडगुड पंहुचा ग्रामीणों से रूबरू होकर सुनी गई समस्याएं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 10 जुलाई। आज बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे मिशन गांव चलो अभियान के अंतर्गत आज ग्राम साडगुड में जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में ब्लॉक व मंडल पदाधिकारी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गांव पहुंचे और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों की जानकारी ली। इस दौरान चाय पर चर्चा करते हुए कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के समक्ष ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित अनेक समस्याएं रखीं। ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्य ठप्प पड़े हुए हैं किसानों को खाद नहीं मिल रहा है ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव तो हो चुका है किंतु आज पर्यंत तक किताबें स्कूलों में नहीं आई है । शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी प्रत्येक समस्या को गंभीरता से संबंधित विभागों एवं शासन-प्रशासन के समक्ष उठाया जाएगा तथा समाधान के लिए लगातार संघर्ष किया जाएगा। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बड़े-बड़े वादों और जुमलों तक ही सीमित होकर रह गई है। सत्ता में आने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों के विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़ गए हैं।सिर्फ और सिर्फ भाजपा सरकार सत्ता की मलाई खाने में व्यस्त है जनता के प्रति इन्हें कोई जनसरोकार नहीं है.जिन मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी, उनकी लगातार उपेक्षा की जा रही है। गांवों में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा गांव, गरीब, किसान और आमजन के हितों की लड़ाई लड़ती रही है। मिशन गांव चलो अभियान का उद्देश्य गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याओं को जानना, उनके बीच संवाद स्थापित करना और उनकी आवाज को मजबूती से सरकार तक पहुंचाना है। कांग्रेस पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों की उपेक्षा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी तथा प्रत्येक ग्रामीण की समस्याओं को पूरी प्राथमिकता के साथ उठाकर सरकार की आंखें खोलने का कार्य करेगी।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष फूलसिंह बघेल, मंडल अध्यक्ष चमनलाल देहारी,तूरू नाग, तुलाराम सेठिया,सुखराम बघेल, नीतीश शर्मा,सुंदर लाल सेठिया,लखपती देहरी,श्याम सुंदर,जगर,राजू,राज कुमार नाग,गणेश बघेल, खीरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

बस्तर में फोस्टर केयर को मिला नया आयाम, दो बच्चों को मिला सुरक्षित पारिवारिक वातावरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 10 जुलाई। जिले में बाल संरक्षण एवं बच्चों के समग्र विकास को मजबूत करने की दिशा में बाल कल्याण समिति (न्यायपीठ), बस्तर द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की फोस्टर केयर योजना के अंतर्गत दो बच्चों को विधिवत एक पात्र फोस्टर परिवारों को सौंपा गया।

बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार सभी वैधानिक प्रक्रियाओं एवं आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण करने के बाद यह व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इस पहल का उद्देश्य ऐसे बच्चों को सुरक्षित, स्नेहपूर्ण एवं पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिन्हें विशेष देखरेख, संरक्षण तथा भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष नरेंद्र पाणिग्राही ने फोस्टर परिवारों से संवाद करते हुए बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा तथा समुचित पालन-पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बाल कल्याण समिति बच्चों के सर्वोत्तम हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है तथा फोस्टर परिवारों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग निरंतर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के संवेदनशील परिवारों द्वारा बच्चों की जिम्मेदारी स्वीकार करना सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है। इससे न केवल बच्चों को बेहतर भविष्य मिलेगा, बल्कि समाज में बाल अधिकारों एवं सामुदायिक सहभागिता के प्रति सकारात्मक संदेश भी जाएगा।

इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में बाल कल्याण समिति की सदस्य श्रीमती धनेश्वरी वर्मा, श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, संतोष जोशी एवं रामकृष्ण ठाकुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला बाल संरक्षण इकाई, बस्तर के गैर-संस्थागत देखरेख अधिकारी गुलशन भारिया ने समन्वय एवं दस्तावेजी प्रक्रिया का संचालन किया। वहीं सीईएसी-यूनिसेफ के जिला अधिकारी रमेश कुमार दास ने फोस्टर केयर प्रक्रिया, क्षमता निर्माण तथा तकनीकी मार्गदर्शन में सहयोग प्रदान किया।

झपटमारी की वारदात को अंजाम देने वाला गिरफ्तार

जगदलपुर, 10 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में लगातार झपटमारी करने वाले नकाबपोश आरोपी राजमन यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शहर में अब तक 9 झपटमारी की वारदात कर चुका है। ज्यादातर महिलाओं को अपना निशाना बनाता था। एक झपटमारीमें बाइक सवार बदमाश पर्स छीनते समय युवती को 100 मीटर तक घसीटते चला गया, जिसका सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। सीसीटीवी का वीडियो 2 जुलाई की शाम का है। पुलिस ने उसके कब्जे से 8 बैग, 3 मोबाइल, सोने-चांदी के आभूषण समेत करीब 2 लाख 50 हजार रुपए का सामान बरामद किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी राजमन यादव (19), ग्राम कुथर थाना मारडूम का रहने वाला है। वह बाइक पर नकाब लगाकर शहर के अलग-अलग इलाकों में घूमता था और सुनसान जगहों पर बैग लेकर जा रही महिलाओं और युवतियों को निशाना बनाता था। पीछे से तेज रफ्तार बाइक से पहुंचकर वह झपटमारी करता और मौके से फरार हो जाता था। बैग से नकदी के साथ ही कीमती सामान निकालने के बाद बैग और मोबाइल फेंक देता था।28 जून को सिरहासार चौक के पास एक महिला का पर्स छीनने की घटना के बाद कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इसके बाद 2 जुलाई और 5 जुलाई को भी उसी पैटर्न पर झपटमारी की घटनाएं सामने आईं। लगातार बढ़ रही वारदातों को देखते हुए पुलिस और साइबर टीम को अलर्ट किया गया था।

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाई गई। 7 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली कि संदिग्ध युवक दलपत सागर की ओर से पावर हाउस चौक की तरफ आ रहा है। सूचना पर कोतवाली और साइबर टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने कोतवाली थाना क्षेत्र में 5 और बोधघाट थाना क्षेत्र में 4 समेत कुल 9 झपटमारी की वारदातें करना स्वीकार किया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दोस्तों के साथ घूमने-फिरने और खर्च के लिए पैसे जुटाने की नीयत से झपटमारी की वारदात करता था।

उपनेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल ने मितानिनों को डिजिटल बीपी मशीनों का किया वितरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 10 जुलाई। विधानसभा क्षेत्र बस्तर के विधायक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल ने जनस्वास्थ्य को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज गुरूवार को तारापुर एवं बनियागांव की मितानिनों को डिजिटल ब्लड प्रेशर (बीपी) मशीनों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहली कड़ी मितानिन बहनें हैं, जो घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल करती हैं। आधुनिक स्वास्थ्य उपकरण मिलने से वे अपनी जिम्मेदारियों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकेंगी। इस अवसर पर लखेश्वर बघेल ने कहा कि उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान और नियमित जांच बेहद जरूरी है। डिजिटल बीपी मशीनों की मदद से अब ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों का रक्तचाप आसानी से जांचा जा सकेगा, जिससे गंभीर बीमारियों का समय रहते पता लगाकर उचित उपचार सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज ही विकसित समाज की पहचान है और ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मितानिनों की सेवा भावना और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि वे विपरीत परिस्थितियों में भी गांव-गांव पहुंचकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण, जनजागरूकता और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और समाज को उनके कार्यों का सम्मान करते हुए उन्हें आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मितानिनों ने डिजिटल बीपी मशीनें उपलब्ध कराने के लिए विधायक लखेश्वर बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस उपकरण की सहायता से अब ग्रामीणों की नियमित स्वास्थ्य जांच पहले की तुलना में अधिक सरल और प्रभावी होगी, जिससे लोगों को समय पर स्वास्थ्य संबंधी सलाह और उपचार मिल सकेगा।

छत्तीसगढ़ राज्य श्रम संहिता नियमों संबंधी बैठक सम्पन्न

रायपुर, 10 जुलाई। मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य श्रम संहिता नियमों संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य श्रम संहिता नियमों की अधिसूचना की स्थिति, श्रम विभाग द्वारा केन्द्र का औद्योगिक संबंध (छत्तीसगढ़) नियम 2026 के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने श्रम विभाग के अधिकारियों को संहिता अंतर्गत राज्य नियम शीघ्र अधिसूचित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने संहिता के क्रियान्वयन हेतु विभागीय पोर्टल में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। बैठक में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक में संयुक्त सचिव डॉ. महेन्द्र कुमार ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 29 श्रम कानूनों के स्थान पर 4 श्रम संहिताओं क्रमशः मजदूरी संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता एवं उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशाएं संहिता को लागू किए गए हैं।

एक नजर

15 जुलाई को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन

रायगढ़, 10 जुलाई। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र रायगढ़ द्वारा ई-रोजगार पोर्टल में पंजीकृत आवेदकों के लिए 15 जुलाई, बुधवार को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला प्रातः 10.30 बजे से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, रायगढ़ में आयोजित होगा। मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि मे.होटल श्री साईं श्रद्धा रेलवे स्टेशन के पास रायगढ़ में रिसेप्सनिस्ट कैशियर, रूम सर्विस, हाउस कीपिंग एवं सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती की जाएगी। इसी तरह मे.परिश्रम रिसोर्स प्रा.लि.5 वां फ्लोर प्लाट नं.टेग 26, जीपी 28 सेक्टर 18 गुरूग्राम में मीटर इन्स्टालर एवं पीकर मेकर तथा मे.फर्स्ट फ्लाई कोरपोरेट मेनेजेन्ट सर्विस सम्भाजीनगर महाराष्ट्र अप्रेन्टिसिप टेञ्नी के पद शामिल है। चयनित अभ्यर्थियों को योग्यता एवं पद के अनुसार आकर्षक वेतनमान प्रदान किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र आवेदक अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्र, पहचान पत्र, रोजगार पंजीयन एवं बायोडाटा के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं। रिक्तियों एवं अन्य जानकारी जिला रोजगार कार्यालय तथा ई-रोजगार पोर्टल से प्राप्त की जा सकती है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु नामांकन आमंत्रित

रायगढ़, 10 जुलाई। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा वर्ष 2026 के लिए दिव्यांगजन सशक्तिकरण राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। समाज कल्याण संचालनालय, छत्तीसगढ़ एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के अनुसार इच्छुक व्यक्ति, संस्थाएं एवं संगठन 31 जुलाई 2026 तक राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन प्रस्तुत कर सकते हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए आवेदन एवं नामांकन की प्रक्रिया भारत सरकार के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर उपलब्ध है। यह पुरस्कार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं उनके कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रदान किया जाता है। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए समाज कल्याण विभाग, रायगढ़ में संपर्क कर सकते है।

पालना सहायिका के रिक्त पद हेतु 23 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़, 10 जुलाई। एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ (शहरी) अंतर्गत स्वीकृत पालना केंद्र (आंगनबाड़ी सह क्रेच संचालन) के लिए पालना सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्र प्रेमनगर, वार्ड क्रमांक-28 में 01 पालना सहायिका के पद पर नियुक्ति की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र महिला आवेदिकाएं 23 जुलाई तक विभाग के ऑनलाइन पोर्टल aww-e-bharti-in के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। भर्ती से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता एवं नियम-शर्तों की जानकारी परियोजना कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी की निविदा प्रक्रिया की तिथियों में संशोधन

रायगढ़, 10 जुलाई। जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी, रायगढ़ द्वारा 16 जून 2026 को जारी रूचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से आमंत्रित आवेदनों की तिथियों में संशोधन किया गया है। जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार निविदा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि अब 22 जुलाई 2026 को सायं 5 बजे तक निर्धारित की गई है। वहीं निविदा आवेदनों को खोलने की तिथि 23 जुलाई 2026 को सायं 3 बजे से तय की गई है। निविदा से संबंधित अन्य सभी नियम एवं शर्तें पूर्ववत लागू रहेंगी। इच्छुक संस्थाएं एवं आवेदक विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट https://raigarh.gov.in एवं https://cssda.cg.nic.in इसके अलावा कार्यालय के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते हैं।

हाईस्कूल अंवरी में किया गया पौधारोपण

अंवरी, 10 जुलाई। हाई स्कूल प्रांगण अंवरी में फलदार एवं छायादार वृक्षारोपण किया गया जिसमें लगभग 200 वृक्षारोपण किया गया जिसमें मुख्य रूप से साला प्रबंध समिति अध्यक्ष फलेंद्र ध्रुव, संरपच हितेन्द्र नाथ मण्डल ,लेखराम साहू, उदय चरण बंजारे , रंजीत जागड़े, मुलचंद चंदेल, पवन यादव, भुनेश्वर साहू, संतोष सेन, जागेश्वर निर्मलकर, घनश्याम साहू, प्रचार्य एन के मेश्राम, पी एन साहू, आई आर साहू, के एल यादव, पी सिन्हा, के एल गोघारे, वी चन्द्राकार, के पी धीवर, डी के साहू, वी पी जोशी, डी के कुर्रे, लक्ष्मीकांत साहू, एन एस नेताम, पी के डहरे सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं उपस्थित थे।

चेक बाउंस के मामले में विशेष लोक अदालत 18 जुलाई को

कोरबा, 10 जुलाई । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के मार्गदर्शन में ए0डी0आर0 भवन कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा में आगामी 18 जुलाई को आयोजित होने वाली पराक्राम्य लिखित अधिनियम(चेक बाउंस मामले) संबंधित विशेष लोक अदालत के सबंध में 08 जुलाई को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोरबा की अध्यक्षता में संबंधित बैंक के अधिकारियो एवं सहकारी समिति बैंक के अधिकारीयों के साथ समीक्षा बैठक आयोजन किया गया। कु. मयूरा गुप्ता, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोरबा द्वारा उपस्थित बैंक के अधिकारीगण को चेक बाउंस से सबंधित मामले हेतु आयोजित विशेष लोक अदालत के उद्देश्य बताते हुए इसे सफल बनाने में सहयोग प्रदान करते हुए, अधिक से अधिक चेक बाउंस के मामलों को इस लोक अदालत में रखने हेतु आग्रह किया गया।

केंद्रीय विद्यालय बीजापुर में कलेक्टर ने किया पौधरोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 10 जुलाई। केंद्रीय विद्यालय बीजापुर में इको क्लब फॉर मिशन लाइफ के अंतर्गत वन महोत्सव एवं एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर विश्वदीप रहे। उनके विद्यालय आगमन पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के कब एवं बुलबुल विद्यार्थियों ने पारंपरिक एवं हर्षोल्लासपूर्ण स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य पुष्प ध्वज नायक, दशरथ बाड़मेरा, दीक्षा साहू सहित विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर विश्वदीप ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधे लगाए और सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह के साथ पौधरोपण अभियान में भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कलेक्टर विश्वदीप ने कहा कि स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध जीवन के लिए स्वच्छ एवं संतुलित पर्यावरण अनिवार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। साथ ही विद्यालय में भविष्य में भी इस प्रकार के पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने के लिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया।कार्यक्रम के पश्चात कलेक्टर ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर विभिन्न कक्षाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली तथा प्रभारी प्राचार्य एवं शिक्षकों के साथ विद्यालय के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की।कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी एवं सफल पहल बताते हुए भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर

उरगा में अवैध उर्वरक भंडारण पर कृषि विभाग की कार्रवाई, 100 बोरी यूरिया जब्त

कोरबा,10 जुलाई । ग्राम उरगा में अवैध रूप से उर्वरक भंडारण किए जाने की सूचना प्राप्त होने पर कृषि विभाग की टीम द्वारा तत्काल निरीक्षण एवं जांच की गई। निरीक्षण के दौरान सिलियरी भाटा, उरगा स्थित एक गोदाम में 100 बोरी (लगभग 4.5 टन) आईपीएल यूरिया का भंडारण पाया गया।जांच के दौरान संबंधित खाद विक्रेता से उर्वरक क्रय-विक्रय से संबंधित बिल एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, किंतु वह कोई वैध बिल प्रस्तुत नहीं कर सका। साथ ही, उक्त उर्वरक का भंडारण किस उद्देश्य से किया गया था, इसका भी संतोषजनक एवं स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया।जांच में यह पाया गया कि श्याम खाद भंडार, उरगा द्वारा अघोषित गोदाम में 100 बोरी आईपीएल यूरिया का अवैध भंडारण किया गया था। इस पर कृषि विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उर्वरक का नमूना परीक्षण हेतु लिया गया तथा संपूर्ण 100 बोरी यूरिया को जब्त कर लिया गया।जब्त किए गए उर्वरक को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई पूर्ण होने तक महावीर अग्रवाल की सुपुर्दगी में सौंपा गया है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि उर्वरकों के अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा इस प्रकार के मामलों में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलें बनेंगी किसानों की आय का नया आधार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 10 जुलाई। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, रायगढ़ ने किसानों को मौसम एवं भूमि की परिस्थितियों के अनुरूप फसल विविधीकरण अपनाने की सलाह दी है। विशेष रूप से ऊंची भूमि वाले क्षेत्रों में धान के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती को बढ़ावा देने की अनुशंसा की गई है। इससे किसानों को बेहतर उत्पादन के साथ आय बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, रायगढ़ के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. सिंह ने बताया कि ऊंची भूमि में धान के स्थान पर अरहर, मूंग, उड़द जैसी दलहनी तथा सोयाबीन, मूंगफली, रामतिल और तिल जैसी तिलहनी फसलों की खेती किसानों के लिए लाभकारी विकल्प है। इन फसलों की खेती से उत्पादन में विविधता आने के साथ किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने किसानों से कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनुशंसित उन्नत किस्मों का चयन कर वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने की अपील की।

डॉ. सिंह ने बताया कि धान की कम अवधि वाले किस्म बस्तर धान-1, इंद्रावती धान-1, इंदिराबरानी धान-1, छत्तीसगढ़ तेजस्वी बरानी धान-2, छत्तीसगढ़ धान-1919, विक्रम टीसीआर सहित प्रोटाजीन किस्मों की अनुशंसा की गई है। वहीं कोदो के लिए इंदिरा कोदो-1, छत्तीसगढ़ कोदो-2 एवं 3, कुटकी के लिए छत्तीसगढ़ कुटकी-1, छत्तीसगढ़ कुटकी-2 एवं छत्तीसगढ़ सोन कुटकी तथा रागी के लिए इंदिरा रागी-1, 2 एवं 3 उपयुक्त किस्में बताई गई हैं। दलहनी फसलों में अरहर की राजीवलोचन, छत्तीसगढ़ अरहर-1, छत्तीसगढ़ अरहर-2 (सावित्री), बीडीएन-716 एवं केआरजी-33, कुल्थी की बस्तर कुल्थी, इंदिरा कुल्थी-1, छत्तीसगढ़ कुल्थी-2 एवं 3, शबरी कुल्थ, अलख तथा बिलासा कुल्थी, मूंग की विराट एवं शिखा तथा उड़द की ठंदिरा उड़द प्रथम, नर्मदा एवं दृष्टि किस्मों की अनुशंसा की गई है।इसी प्रकार तिलहनी फसलों में इंदिरा सोया-9, छत्तीसगढ़ सोयाबीन-1, आरएससी-10, आरएससी-10-52 (ई), आरएससी-10-07, आरएससी-10-71, आरएससी-11-35 एवं सीजी सोया-11-15 सोयाबीन की उन्नत किस्में, मूंगफली की छत्तीसगढ़ मूंगफली-1 एवं छत्तीसगढ़ ट्राम्बे मूंगफली, रामतिल की जेएनसी-9 एवं जेएनएस-6 तथा तिल की टीकेजी-21, टीकेजी-22, जवाहर तिल-12 एवं जवाहर तिल-14 किस्में किसानों के लिए अनुशंसित की गई हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि किसान अपनी भूमि की प्रकृति के अनुरूप इन अनुशंसित फसलों एवं उन्नत किस्मों का चयन कर वैज्ञानिक तकनीकों के साथ खेती करें। इससे खेती अधिक लाभकारी बनने के साथ उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि होगी।

टोकन सिस्टम से मिलेगा खाद 7 जुलाई से वितरण हुआ प्रारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 10 जुलाई। किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से भारत सरकार के उर्वरक एवं रसायन मंत्रालय द्वारा फेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफएफएस) के तहत बीजापुर जिले में नई डिजिटल खाद वितरण प्रणाली लागू की गई है। पायलट जिले के रूप में चयनित बीजापुर में यह व्यवस्था 7 जुलाई 2026 से शुरू हो गई है।

नई व्यवस्था के तहत किसान अब अपने मोबाइल के माध्यम से निकटतम उर्वरक विक्रय केंद्र से आवश्यकतानुसार खाद की बुकिंग कर सकेंगे। बुकिंग के बाद किसानों को एक टोकन (क्यूआर कोड) जारी किया जाएगा, जिसके आधार पर निर्धारित समय में खाद प्राप्त किया जा सकेगा। यह टोकन तीन दिनों तक मान्य रहेगा। निर्धारित अवधि में खाद नहीं लेने पर टोकन स्वतः निरस्त हो जाएगा। इस नई प्रणाली को दो चरणों में लागू किया गया है। पहले चरण में किसान गूगल प्ले स्टोर से फेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल एप डाउनलोड कर भूमि एवं फसल संबंधी जानकारी दर्ज करेंगे और निकटतम विक्रय केंद्र का चयन कर टोकन प्राप्त करेंगे। दूसरे चरण में विक्रय केंद्र पर पीओएस मशीन में टोकन स्कैन कर बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद किसानों को निर्धारित दर पर खाद उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि इस डिजिटल व्यवस्था से किसानों को समय पर खाद उपलब्ध होगी, वितरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी तथा उर्वरकों की कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लग सकेगी। यदि किसानों को एप संचालन में किसी प्रकार की समस्या आती है तो वे अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, लैम्प्स अथवा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

दिव्यांग अभ्यर्थियों को सिविल सेवा परीक्षा में सफलता पर मिलेगा प्रोत्साहन

रायगढ़, 10 जुलाई । छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को सिविल सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्षितिज अपार संभावनाएं अंतर्गत सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के माध्यम से संघ लोक सेवा आयोग एवं छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले पात्र दिव्यांग अभ्यर्थियों को एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। योजना का उद्देश्य दिव्यांग प्रतिभाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करना तथा आगामी तैयारी के लिए आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना है, जिससे वे प्रशासनिक सेवाओं में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा एवं चयन पर मिलेगी अलग-अलग प्रोत्साहन राशि

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित इस योजना के तहत 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थियों को संघ अथवा राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर एक बार निम्नानुसार प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी- इनमें प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 20 हजार रुपये की एकमुश्त सहायता राशि दी जाएगी। इसी तरह मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 30 हजार रुपये एवं संघ लोक सेवा आयोग अथवा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में अंतिम चयन होने पर 50 हजार रुपये की एकमुश्त सहायता राशि प्रदाय की जाएगी। जिले के ऐसे दिव्यांग अभ्यर्थी जिन्होंने संघ अथवा राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक या मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण की है अथवा अंतिम चयन प्राप्त किया है, वे इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह सहायता राशि जीवन में केवल एक बार प्रदान की जाएगी।

योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक के पास मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता प्रमाण पत्र, छत्तीसगढ़ का मूल निवासी प्रमाण पत्र, संघ या राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की प्रति तथा बैंक अथवा डाकघर पासबुक की प्रति होना आवश्यक है।

समाज कल्याण विभाग ने बताया कि संघ अथवा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद आयोग द्वारा जारी परिणाम के आधार पर आवेदन प्रस्तुत करने पर सहायता राशि स्वीकृत की जाएगी। जिले के पात्र दिव्यांग अभ्यर्थी योजना का लाभ लेने के लिए जिला कार्यालय समाज कल्याण विभाग, रायगढ़ से संपर्क कर सकते हैं।

सूबेदार, उप निरीक्षक एवं प्लाटून कमांडर प्रारंभिक परीक्षा 12 जुलाई को

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 10 जुलाई। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सूबेदार, उप निरीक्षक संवर्ग एवं प्लाटून कमांडर (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 का आयोजन 12 जुलाई 2026, रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री मयंक चतुर्वेदी ने आदेश जारी कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी है। परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, प्रश्न पत्रों के सुरक्षित परिवहन तथा परीक्षा केंद्रों की सतत निगरानी के लिए तीन सदस्यीय उड़नदस्ता दल सह परिवहन अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। ये दल परीक्षा अवधि के दौरान अपने-अपने केंद्रों का लगातार निरीक्षण करेंगे तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या व्यवधान की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

उड़नदस्ता दलों को सौंपी गई परीक्षा केंद्रों की जिम्मेदारी

जिला प्रशासन द्वारा गठित उड़नदस्ता दल में प्रथम उड़नदस्ता दल में उप संचालक कृषि श्री अनिल वर्मा (मो. 96690-63346), थाना चक्रधर नगर के सहायक उप निरीक्षक श्री दिनेश मिंज (मो. 90095-98385) तथा प्रधान आरक्षक श्री महेंद्र कर्ष (मो. 79993-64821) को शामिल किया गया है। इस दल को पी.एम. श्री शासकीय नटवर इंग्लिश मीडियम स्कूल रायगढ़ (केंद्र क्रमांक-1501), के.एम.टी. शासकीय कन्या महाविद्यालय गांधी चौक रायगढ़ (केंद्र क्रमांक-1506), सेठ किरोड़ीमल आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाल मंदिर घड़ी चौक रायगढ़ (केंद्र क्रमांक-1507) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह द्वितीय दल में समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्री शिव शंकर पाण्डेय (मो. 75872-31121), सिटी कोतवाली के सहायक उप निरीक्षक श्री डी.के. बेहरा (मो. 94792-69216) तथा प्रधान आरक्षक श्री सुरेन्द्र ठाकुर (मो. 83700-37193) को शामिल किया गया है। इस दल को किरोड़ीमल शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज चक्रधर नगर रायगढ़ (केंद्र क्रमांक-1503) तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चक्रधर नगर रायगढ़ (केंद्र क्रमांक-1502) की जिम्मेदारी दी गई है। तृतीय उड़नदस्ता दल में नगर एवं ग्राम निवेश विभाग के उप संचालक श्री नवीन कुमार (मो. 96852-39793), थाना पुसौर के सहायक उप निरीक्षक श्री कुंदन लाल गौर (मो. 79997-00123) तथा प्रधान आरक्षक श्री बाबूलाल पटेल (मो. 76976-76464) को शामिल किया गया है। इस दल को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सर्किट हाउस रोड, वार्ड क्रमांक-09 चांदमारी रायगढ़ (केंद्र क्रमांक-1505) तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोष्टापारा रायगढ़ (केंद्र क्रमांक-1504) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग की महाप्रबंधक सुश्री अंजू नायक (मो. 97525-15837) को आरक्षित अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

सुबह 7 बजे जिला कोषालय पहुंचेंगे दल गोपनीय सामग्री की रहेगी जिम्मेदारी

उड़नदस्ता दलों को परीक्षा दिवस पर सुबह 7 बजे जिला कोषालय रायगढ़ में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। यहां से वे प्रश्न पत्र एवं अन्य गोपनीय सामग्री प्राप्त करेंगे और परीक्षा प्रारंभ होने से डेढ़ घंटे पूर्व संबंधित परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित पहुंचाएंगे। परीक्षा समाप्त होने के बाद सभी दल केंद्राध्यक्षों से सीलबंद गोपनीय सामग्री प्राप्त कर उसे सुरक्षित रूप से पुनः जिला कोषालय में जमा करेंगे। जिला प्रशासन ने सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि परीक्षा का आयोजन पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया जा सके।

जन्मदिन की खुशियां बनीं बच्चों के पोषण का माध्यम, स्कूल में नेवता भोजन का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 10 जुलाई। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना (मध्यान्ह भोजन) के माध्यम से शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को प्रतिदिन गर्म एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास को मजबूती मिल सके। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विद्यालयों में ष्नेवता भोजनष् की व्यवस्था को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी से बच्चों को अतिरिक्त पोषक आहार उपलब्ध कराया जा सके।

छत्तीसगढ़ शासन की इस अभिनव पहल के तहत शिक्षक, जनप्रतिनिधि, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, पालक तथा आम नागरिक अपने परिवार के किसी सदस्य के जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, मुंडन संस्कार, सालगिरह अथवा अन्य पारिवारिक अवसरों पर विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के लिए विशेष भोजन, फल, मिठाई या अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्री उपलब्ध करा सकते हैं। इससे न केवल बच्चों को अतिरिक्त पोषण मिलता है, बल्कि समाज और विद्यालय के बीच सहभागिता भी मजबूत होती है। इसी क्रम में विकासखण्ड पुसौर अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला बोरोडिपा में पदस्थ प्रधानपाठक देवमती भोय की बड़ी पुत्री कुमारी खुशबू भोय के जन्मदिन 08 जुलाई के अवसर पर विद्यालय के सभी बच्चों के लिए विशेष ष्नेवता भोजनष् का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजनों के साथ मीठा और बड़ा परोसा गया, जिसे बच्चों ने बड़े उत्साह और प्रेमपूर्वक ग्रहण किया।

विधायक जनदर्शन में आम नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा,10 जुलाई। राजिम विधायक रोहित साहू 11 जुलाई को छुरा प्रवास पर रहेंगे। वे प्रातः 11ः00 बजे छुरा विश्राम गृह में आयोजित जनदर्शन में आम नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे तथा उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। इसके पश्चात दोपहर 2ः00 बजे छुरा विकासखंड के सरपंचों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में ग्राम पंचायतों में संचालित विकास कार्यों, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभिन्न विकासात्मक विषयों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही पंचायतों के समग्र विकास को गति देने के लिए आवश्यक सुझाव एवं दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।मंडल अध्यक्ष खोमन चंद्राकर ने बताया कि जनदर्शन के माध्यम से क्षेत्रवासियों की समस्याओं का मौके पर निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में जनदर्शन में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखने तथा सभी सरपंचों से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित रहने की अपील की है।

जिले के हजारों किसान नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का उपयोग कर प्राप्त कर रहे हैं बेहतर फसल

महासमुंद, 10 जुलाई । राज्य शासन द्वारा किसानों को नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग के लिए लगातार अभियान चलाकर प्रोत्साहित और जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में महासमुंद जिले में हजारों किसान नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी को अपनाकर बेहतर फसल उत्पादन की ओर अग्रसर है। वर्तमान में जिले के 10,000 से अधिक किसान नैनो उर्वरकों का उपयोग कर फसल उत्पादन में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए आशान्वित है।

कृषि विभाग एवं इफको द्वारा जिले में किसानों के बीच नैनो उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से किसान प्रशिक्षण, खेत प्रदर्शन, ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम एवं तकनीकी मार्गदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में किसानों ने धान सहित अन्य फसलों में नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी को अपनाया। उन्होंने बताया कि नैनो यूरिया, का सहकारी समितियों में 17000 बॉटल 500 मि.ली. भण्डारित किया गया है एवं कृषकों द्वारा 8100 बॉटल उठाव कर लिया गया है तथा नैनो डीएपी का सहकारी समितियों में 12400 बॉटल 500 मि.ली. पैकिग में भण्डारित किया गया है, जिसके विरूद्ध 9600 बॉटल का उठाव कृषकों द्वारा किया जा चुका है। समय-समय पर कृषक चौपाल एवं खरीफ कैंपेन अवेयरनेस अभियान चलाकर कृषकों को नील हरित काई, हरी खाद, नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का उपयोग करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने हेतु कृषकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

विकासखण्ड पिथौरा के ग्राम लाल माटी के कृषक श्री गोविंद पटेल ने बताया कि उन्होंने धान की बुवाई से पूर्व बीजों का नैनो डीएपी से उपचार किया। इसके लिए प्रति किलोग्राम बीज में 5 एमएल नैनो डीएपी का उपयोग किया गया। इसी तरह पूर्व में नैनो उर्वरकों का उपयोग करने वाले किसानों ने बताया कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से फसलों की वृद्धि अधिक संतुलित एवं स्वस्थ हुई है। पौधों में पोषक तत्वों का बेहतर अवशोषण होने से फसल की गुणवत्ता में सुधार देखने को मिला है तथा उर्वरकों के अधिक दक्ष उपयोग में भी सहायता मिली है। इसके अलावा फसल में रोग एवं कीटों का प्रकोप भी अपेक्षाकृत कम देखने को मिला, जिससे अतिरिक्त कीटनाशकों की आवश्यकता कम हुई और खेती लागत में कमी आई।

खेत बचाओ अभियान अंतर्गत 71 किसानों ने तैयार किए 220 क्विंटल नील हरित खाद

जिले में 01 जून 2026 से 30 जून 2026 तक खेत बचाओं अभियान अंतर्गत सभी विकासखंडों में तिथिवार कृषक चौपाल, कृषक संगोष्ठी का आयोजन कर विभागीय अमलों द्वारा नील हरित काई उत्पादन हेतु कृषकों को प्रोत्साहित किया गया। उप संचालक कृषि श्री एफ.आर. कश्यप ने बताया कि जिले के 71 कृषकों द्वारा स्वंय से तैयार किए गए 91 टाकों में 220 क्विंटल नील हरित उत्पादन कर अपने खेतों में उपयोग कर रहे है।

एक नजर

नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के अध्यक्ष रमन डोंगरे ने किया विभिन्न स्थलों का निरीक्षण

डोंगरगढ़ 10 जुलाई।(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के अध्यक्ष श्री रमन डोंगरे ने नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्युत व्यवस्था, गार्डन लाइटों एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया गया। इस अवसर पर सभापति राजस्व श्री सुमित ताम्रकार, सभापति जल विभाग श्री देवेंद्र सखरे, वार्ड क्रमांक 24 की पार्षद श्रीमती बबीता मलागर, वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद श्री अमित छब्बरा तथा श्री अमित बोस उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष महोदय ने वार्ड क्रमांक 13 स्थित फुटपाथ गार्डन एवं वार्ड क्रमांक 24 स्थित महतारी चौक में खराब गार्डन लाइटों की तत्काल मरम्मत कराने तथा आवश्यक स्थानों पर नई एलईडी गार्डन लाइटें स्थापित करने के निर्देश दिए। अध्यक्ष महोदय के निर्देश मिलते ही संबंधित कर्मचारियों द्वारा मौके पर ही आवश्यक कार्य प्रारंभ कराया गया तथा दोनों स्थलों पर गार्डन लाइटों की मरम्मत एवं नवीन गार्डन लाइट लगाने का कार्य कराया गया। अध्यक्ष श्री रमन डोंगरे ने कहा कि नगर के सभी गार्डनों एवं सार्वजनिक स्थलों पर बेहतर एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, जिससे नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण प्राप्त हो सके। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ नागरिकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

वन्यजीवों की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं: वन मंत्री

रायपुर, 10 जुलाई। बारनावापारा अभयारण्य में मृत मिले तीन चीतलों के मामले में वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी चीतलों का पोस्टमार्टम कराया है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि वैज्ञानिक एवं विधिसम्मत जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही की जाएगी। वनमंडलाधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत 7 जुलाई को बारनावापारा वन परिक्षेत्र के पकरीद बीट स्थित कक्ष क्रमांक 127 के रामपुर चारागाह में नियमित गश्त के दौरान दो नर चीतल मृत अवस्था में मिले। शासकीय पशु चिकित्सकों द्वारा किए गए पोस्टमार्टम में प्रथम दृष्टया दोनों चीतलों के गले पर आपसी संघर्ष (लड़ाई) के कारण चोट के निशान पाए गए। शरीर पर किसी मांसाहारी वन्यजीव के हमले के संकेत नहीं मिले। हालांकि, मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही होगी। कल 8 जुलाई को उसी क्षेत्र में एक अन्य चीतल मृत मिला। प्रारंभिक जांच में उसके गले पर किसी हिंसक वन्यप्राणी के हमले के स्पष्ट निशान पाए गए। घटनास्थल पर चीतल के सभी अंग, सींग और खाल सुरक्षित मिले, जिससे शिकार की आशंका नहीं है। घटना के बाद वन विभाग ने क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी है। वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए घटनास्थल पर ट्रैप कैमरा स्थापित किया गया है। साथ ही वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास में अनावश्यक हस्तक्षेप किए बिना लगातार निगरानी की जा रही है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि घटना की निष्पक्ष, वैज्ञानिक और विधिसम्मत जांच कराई जाए तथा तथ्य सामने आने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अभयारण्यों में नियमित गश्त और निगरानी को और प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए हैं। वन विभाग ने बताया कि बारनावापारा अभयारण्य में अधिकारी और कर्मचारी नियमित रूप से गश्त कर रहे हैं। वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वैज्ञानिक जांच के आधार पर मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि की जाएगी तथा आवश्यकता अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति नवनिहालों को नवनिर्माण की नई राह दिखाएगी : बृजमोहन

- **दिल्ली में 18वीं नेशनल एजुकेशन लीडरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट समिट 2026 में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शिक्षा जगत में सक्रिय संस्थाओं और हस्तियों को सम्मानित किया**

रायपुर, 10 जुलाई। सांसद और छत्तीसगढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति नए तरीके से देश के नव निहालों को नवनिर्माण की नित नई राह दिखाएगी। बृजमोहन अग्रवाल बृहस्पतिवार को देश के जाने-माने वाणिज्यिक संगठन एसोचेम द्वारा विकसित भारत शिक्षा अभियान पर राजधानी दिल्ली के ली मेरिडियन होटल में आयोजित 18 वीं नेशनल एजुकेशन लीडरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट समिट 2026 में शिक्षा जगत में सक्रिय संस्थाओं और हस्तियों को सम्मानित करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ह्र्श्वक्क) ने रट्टा मारने की पुरानी प्रणाली को जड़ से खत्म किया है। अब भारतीय शिक्षा प्रणाली का ध्यान इंडस्ट्री की जरूरतों के मुताबिक युवाओं के अपस्किलिंग, स्टार्टअप इनोवेशन को बढ़ावा देने पर है। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 भारत को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक नयी पहचान देने का काम करेगा। समारोह के विशिष्ट अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत की थीम पर हमको140 करोड़ लोगों के सर्वांगीण विकास के लिए देश के सुदुर क्षेत्रों पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देते हुए शिक्षा के स्तर को और ऊंचाई पर ले जाने का प्रयास भी करना होगा तभी सभी लोगों को शिक्षित करते हुए हमारा देश उचित ढंग से और विकसित हो पाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़, झारखण्ड और ओड़िशा के सुदूरवर्ती स्थलों का हवाला देते हुए वंचितों के शैक्षिक विकास के लिए सघन प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि हमें शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत अभावग्रस्त संस्थाओं और गैरसरकारी संगठनों को अधिक से अधिक संसाधन उपलब्ध कराना होगा ताकि सभी को शिक्षा के समान अवसर प्राप्त हो सके।सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने ज़ोर देकर कहा कि विकसित भारत शिक्षा अभियान की हमारी थीम यही होना चाहिए।

धर्मनगरी व संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ को दीक्षा अग्रवाल ने किया गौरवान्वित

- **प्रतिभाशाली रंगकर्मी दीक्षा अग्रवाल का चयन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) वाराणसी केंद्र में**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 10 जुलाई। डोंगरगढ़ शहर के अग्रवाल परिवार की होनहार बेटी दीक्षा अग्रवाल अब राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) वाराणसी में अपनी प्रतिभा अनुसार कला मंच की बारीकियों का ज्ञान अर्जन करेगी। छात्र जीवन से प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दीक्षा ने अपनी रुचि के अनुसार खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण की। अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे की पढ़ाई के लिए दीक्षा दिल्ली रवाना हो गई। जहां रहकर दीक्षा ने पूरी लगन व मेहनत से अपनी पढ़ाई जारी रखी। जिसका परिणाम दीक्षा ने प्रतिभाशाली रंगकर्मी के रूप में अपनी पहचान बनाई और उसे अपने प्रथम प्रयास में ही राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) वाराणसी केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला। छत्तीसगढ़ प्रदेश के धर्म नगरी के नाम से देश विदेश में विख्यात शहर डोंगरगढ़ निवासी दीक्षा अग्रवाल का राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) वाराणसी केंद्र में चयन होने से प्रदेशवासियों एवं प्रदेश के कला एवं रंगमंच जगत द्वारा प्रसन्नता व्यक्त कर दीक्षा को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी गई है। ज्ञात होवे कि,वाराणसी राष्ट्रीय नाट्य

विद्यालय, नई दिल्ली का एक नया विस्तार केंद्र है, जिसे भारतीय शास्त्रीय रंगमंच और नाट्यशास्त्र पर एक वर्ष का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 2018 में स्थापित किया गया था। यह संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (ह्स्ड्ड) के वाराणसी केंद्र ने 2018 में काम करना शुरू किया। यह केंद्र मुख्य रूप से भारतीय शास्त्रीय रंगमंच और नाट्यशास्त्र पर प्रशिक्षण देता है।इस केंद्र में कई प्रमुख कलाकारों, निर्देशकों और विद्वानों ने प्रशिक्षण प्रदान किया है। इनके अलावा, समय-समय पर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के वाराणसी केंद्र में देश-विदेश के कई जाने-माने रंगकर्मी और संगीत नाटक अकादमी से जुड़े दिग्गज छात्र - छात्रों को विशेष कार्यशालाओं में प्रशिक्षण देते हैं।

प्रथम प्रयास में ही चयन गौरव की बात - दीक्षा अग्रवाल : व्यावसायिक क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुके मनाली प्रतिष्ठान के संचालक गोपाल अग्रवाल एवं माता ममता अग्रवाल की सुपुत्री व स्वर्गीय द्वारका प्रसाद अग्रवाल की पोती दीक्षा अग्रवाल ने परिजनों के सहयोग एवं अपनी मेहनत और समर्पण से एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के वाराणसी केंद्र में प्रथम प्रयास में ही प्रवेश पा लिया है। जो धर्मनगरी डोंगरगढ़, विश्व प्रसिद्ध खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय सहित पूरे प्रदेश के कला एवं रंगमंच के लिए गौरव की बात है।

खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से वाराणसी तक के सफ़र में सह भागी बने परिवार के सदस्य : दीक्षा अग्रवाल ने अपने रंगमंचीय सफ़र की शुरुआत इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ में स्नातक अध्ययन के दौरान की। यहीं से उन्होंने अभिनय और रंगकला की बारीकियों को सीखते हुए थिएटर की दुनिया में अपनी पहचान बनानी शुरू की।इसके बाद उनका चयन कथक केंद्र, नई दिल्ली में हुआ, जहाँ उन्होंने भारतीय शास्त्रीय कलाओं की गहन समझ विकसित करते हुए अपने अभिनय कौशल को और निखारा।जिसका परिणाम दीक्षा ने अपने पहले ही प्रयास में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के वाराणसी केंद्र में चयन के रूप में मिला। उन्होंने अपनी पहली पसंद के रूप में वाराणसी केंद्र का चयन किया था और उसी केंद्र में उन्हें प्रवेश मिला। यह उपलब्धि उनके परिवार के सदस्यों के अतुलनीय योगदान, उनकी निरंतर मेहनत, लगन और रंगमंच के प्रति समर्पण का परिणाम है।दीक्षा अग्रवाल की इस सफलता पर उनके गुरुजनों, परिवारजनों, मित्रों एवं कला प्रेमियों ने उन्हें हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभ कामनाएँ दी हैं। उनकी यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ के युवा कलाकारों के लिए प्रेरणास्रोत है।

कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा ने जाना किसानों का हालचाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 10 जुलाई। बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के ग्राम परसदा-खार में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं बलौदाबाजार विधायक टंक राम वर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ खेतों में पहुंचकर किसान भाई-बहनों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा कर खेती-किसानी की स्थिति, फसलों की प्रगति तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि एक किसान होने के नाते वे किसानों की मेहनत, श्रम और उम्मीदों से स्वयं को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी खुशहाली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण विकास को गति देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। सरकार की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने भी किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना तथा शासन की योजनाओं की जानकारी दी।

ग्राम तुलसी में सृजन समाज सेवी संस्था के 'क्रांति सदन' का भूमिपूजन संपन्न

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 10 जुलाई। ग्राम तुलसी में सृजन समाज सेवी संस्था (तिल्दा-नेवरा) के प्रस्तावित कार्यालय 'क्रांति सदन' के निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा, नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा की अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, अनिल अग्रवाल, सौरभ जैन, रानी जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूर्व सरपंच अनुराधा वर्मा ने बताया कि इस भवन के लिए भूमि वर्षों पहले उनके कार्यकाल में सुरक्षित की गई थी। उन्होंने कहा कि अब सृजन समाज सेवी संस्था तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं को अपना स्थायी कार्यालय एवं गतिविधियों के संचालन के लिए स्वयं का स्थान उपलब्ध होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की सहभागिता रही। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने संस्था के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए 'क्रांति सदन' के निर्माण को समाजहित में एक महत्वपूर्ण पहल बताया तथा संस्था के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने होटलों का किया निरीक्षण,अनियमितता पर संचालक को नोटिस

बलौदाबाजार 10 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा जिले के होटलों एवं ढाबो में खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता जांच की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को बलौदाबाजार एवं टुण्डरा में होटलों का निरीक्षण किया गया तथा अनियमितता पर नोटिस जारी किया गया। अभिहित अधिकारी अक्षय सोनी ने बताया कि टुण्डरा में हरिशंकर किराना द्वारा बिना खाद्य पंजीयन के संचालित पाया गया जहां से आटा व तेल का विधिक नमूना जांच हेतु लेकर बिना वैध खाद्य पंजीयन के खाद्य कारोबार करने का प्रकरण बनाया गया। सुदर्शन रेस्टोरेंट रायपुर रोड बलौदाबाजार को वेज- नॉनवेज अलग-अलग नहीं रखने व साफ सफाई की स्थिति संतोषजनक नही पाए जाने एवं फूड हैंडलर्स का स्वास्थ्य परीक्षण रिकार्ड उपलब्ध नही कराये जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत् नोटिस दिया गया।

आरसेटी में 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 10 जुलाई। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बलौदाबाजार द्वारा जिले की बेरोजगार युवतियों को कौशल विकास के माध्यम से स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाने के उद्देश्य से 35 दिवसीय ÷जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर÷ प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक एवं आरसेटी निदेशक शिव कुमार कंवर ने किया । इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित 30 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण पोशाक वितरण किया।उन्होंने कहा कि कौशल ही आत्मनिर्भरता की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से पूरे समर्पण, अनुशासन एवं गंभीरता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने का आह्वान किया तथा अर्जित कौशल का उपयोग कर स्वयं का रोजगार स्थापित करने और आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। बताया गया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले की 30 युवतियाँ भाग ले रही हैं। 35 दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को ब्यूटी एवं वेलनेस क्षेत्र से संबंधित आधुनिक तकनीकों, व्यावहारिक कौशल, ग्राहक व्यवहार, उद्यमिता विकास तथा स्वरोजगार स्थापना संबंधी आवश्यक जानकारियां प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात प्रतिभागी स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकेंगी। इस अवसर पर आरसेटी के फैकल्टी विक्टर कोशरिया, अमीश यादव, अरुण कुमार, जिला संसाधन केंद्र के फैकल्टी सुशील कुमार पाठक एवं सुश्री पन्ना कन्नौजे उपस्थित रहे।

बारनावापारा अभयारण्य वन परिक्षेत्र में मृत 3 चीतलों का पोस्टमार्टम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,10 जुलाई। बारनवापारा अभयारण्य के वन परिक्षेत्र में मृत 3 चीतलों की पोस्टमार्टम कराई गई हैं एवं मृत्यु के कारणों की वैज्ञानिक एवं विधि सम्मत जांच कराई जाएगी।7 जुलाई 2026 को बारनवापारा अभयारण्य के वन परिक्षेत्र बारनवापारा अंतर्गत पकरीद बीट के रामपुर चारागाह, कक्ष क्रमांक 127 में नियमित वन गश्त के दौरान 2 नर चीतल मृत अवस्था में पाए गए। दोनों चीतलों का शासकीय शल्य पशु चिकित्सालय, कसडोल के पशु चिकित्सकों द्वारा विधिवत पोस्टमार्टम कराया गया। प्रथम दृष्टया दोनों नर चीतलों के गले में आपसी संघर्ष (लड़ाई) के कारण चोट के निशान पाए गए। पोस्टमार्टम के दौरान शरीर के अन्य किसी भाग पर किसी मांसाहारी वन्यप्राणी द्वारा हमला किए जाने के निशान नहीं पाए गए। दोनों चीतलों के गले में रक्त के धब्बे अवश्य पाए गए हैं, किन्तु मृत्यु का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत ही स्पष्ट हो सकेगा। यह एक प्राकृतिक घटना प्रतीत होती है।

इसी प्रकार 8 जुलाई 2026 को उसी कक्ष क्रमांक 127 के चारागाह क्षेत्र में वन गश्त के दौरान 1 अन्य चीतल मृत अवस्था में पाया गया। मौके के निरीक्षण में मृत चीतल के गले पर किसी हिंसक वन्यप्राणी द्वारा किए गए हमले के स्पष्ट निशान पाए गए। मृत चीतल के सभी अंग, सींग एवं खाल घटनास्थल पर सुरक्षित पाए गए, जिससे शिकार की कोई घटना परिलक्षित नहीं होती है। घटना के संबंध में निगरानी हेतु 8 जुलाई 2026 की शाम को उक्त क्षेत्र में ट्रैप कैमरा भी स्थापित किया गया है। वन्यप्राणियों के प्राकृतिक आवास में अनावश्यक हस्तक्षेप न करते हुए वन विभाग द्वारा आवश्यक निगरानी की जा रही है। बारनवापारा अभ्यारण्य के वन क्षेत्रों में अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिदिन नियमित रूप से गश्त कर वन्यप्राणियों की सुरक्षा एवं संरक्षण का कार्य कर रहे हैं।प्रकरण की वैज्ञानिक एवं विधिवत जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि की जाएगी। वन विभाग वन्यजीवों के संरक्षण एवं सुरक्षा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है तथा अभ्यारण्य क्षेत्र में नियमित गश्त एवं निगरानी का कार्य सतत रूप से जारी है।

बलौदाबाज़ार-हथबंध मार्ग की बदहाली पर आम आदमी पार्टी ने जताई नाराजगी, आंदोलन की चेतावनी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 10 जुलाई। बलौदाबाज़ार से हथबंध तक लगभग 50 किलोमीटर लंबे मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी ने प्रदेश सरकार और संबंधित विभाग पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस मार्ग पर एक किलोमीटर भी सड़क ऐसी नहीं बची है, जिस पर सुरक्षित और सुगमता से आवागमन किया जा सके।

आम आदमी पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ता कमल महान ने कहा कि यदि धरती पर नरक जैसी सड़क देखनी हो तो इस मार्ग पर आकर देखा जा सकता है। उन्होंने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र राज्य सरकार के एक मंत्री का विधानसभा क्षेत्र होने के बावजूद सड़क की स्थिति अत्यंत खराब है।

जिला अध्यक्ष भुनेश्वर सिंह डहरिया ने कहा कि लगातार बारिश के कारण सड़क पर बने गड्ढों में लोग गिरते-पड़ते अपने गंतव्य तक पहुंचने को मजबूर हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता भरतसिंह चौहान ने कहा

कि इस मार्ग के आसपास लगभग आधा दर्जन सीमेंट संयंत्र तथा कई औद्योगिक इकाइयाँ संचालित हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इन उद्योगों की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) निधि का उपयोग क्षेत्र के विकास और सड़क सुधार में क्यों नहीं किया जा रहा है।

कमल महान ने चेतावनी दी कि यदि बारिश समाप्त होने के बाद भी इस मार्ग का तत्काल नवनिर्माण नहीं कराया गया तो आम आदमी पार्टी रिसदा, सेमराडीह, चंडी, पड़कीडीह, सुहेला, बिटकुली, नावापारा, केसली और हथबंध सहित मार्ग से जुड़े सभी गांवों में चरणबद्ध धरना-प्रदर्शन करेगी। इसके बावजूद भी सड़क निर्माण नहीं होने पर प्रदेश नेतृत्व के साथ सुहेला में चक्काजाम आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान विधानसभा प्रभारी जसपाल जांगड़े, जगन्नाथ महिलांग, दिलीप फेकर, भागीरथी जायसवाल, आशीष गुप्ता, भिखूराम साहू, कुम्भ वर्मा, नंदकुमार वर्मा, नीलम संजय भारद्वाज तथा सालिकराम वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी सड़क निर्माण की मांग का समर्थन किया।

सेवा सेतु केंद्र से राजस्व दस्तावेज प्राप्त करना हुआ आसान, किसान रोहित ने जताया मुख्यमंत्री के प्रति आभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 10 जुलाई। शासन की जनहितकारी पहल सेवा सेतु केंद्र आम नागरिकों के लिए त्वरित, पारदर्शी एवं सहज सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड भाटापारा के ग्राम सेंदरी निवासी रोहित कुमार टंडन ने सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से अपने मिसल एवं रकबा-खसरा की प्रति प्राप्त कर शासन की इस व्यवस्था की सराहना की है। रोहित कुमार टंडन ने बताया कि उन्हें राजस्व अभिलेखों की आवश्यकता थी जिसके लिए उन्होंने सेवा सेतु केंद्र में ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन के बाद उन्हें निर्धारित समय में ही आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हो गए। उन्होंने कहा कि पहले ऐसे दस्तावेज प्राप्त करने के लिए तहसील कार्यालय और पटवारी के पास कई बार जाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम

दोनों की अधिक आवश्यकता होती थी। अब सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से राजस्व से जुड़े दस्तावेज आसानी और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध हो रहे हैं, जिससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने इस जनहितकारी व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु केंद्र शासन और आमजन के बीच भरोसे का मजबूत माध्यम बन गया है तथा इससे लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ सरलता और समयबद्ध तरीके से मिल रहा है।

एक नजर

सदाशिव सोनी, उत्कल विकास मंच युवा संघ के जिलाध्यक्ष नियुक्त

रायपुर, 10 जुलाई। उत्कल विकासमंच के संयोजक संजय सोनी की अनुशंसा एवं अध्यक्ष बलमत महानंद की सहमति से सदाशिव सोनी को उत्कल विकास मंच युवा संघ रायपुर का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर नवीन नायक, राजाराम बाग, विनोद सोनी, गोपाल बाग, अजय ताण्डी, महादेव नायक, सत्यादनंद ताण्डी, शरद जाल, राजू महानंद आदि ने बधाई दी है। उक्त जानकारी उत्कल विकास मंच के सचिव त्रिलोचन निहाल ने दी है।

दपूमरे ने विकसित किया रेन वाटर इन्ग्रेस टेस्ट बेंच

रायपुर, 10 जुलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर कोचिंग डिपो ने नवाचार, संरक्षा एवं यात्री सुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए रेल कोचों में वर्षा जल के रिसाव (रैन वाटर इंग्रेस) की जांच के लिए स्वदेशी 'रेन वाटर इन्ग्रेस टेस्ट बेंच' विकसित किया है। इस अभिनव प्रणाली के माध्यम से कृत्रिम वर्षा (आर्टिफिसियल रैन सिमुलेशन) का वातावरण तैयार कर कोचों की छत, खिड़कियों, साइड पैनलों तथा अन्य संवेदनशील जोड़ों से होने वाले संभावित जल रिसाव की प्रभावी जांच एवं समय रहते उसका निराकरण किया जा सकेगा। अब तक वर्षा जल के रिसाव की पहचान मुख्यतः प्राकृतिक बारिश पर निर्भर रहती थी, जिसके कारण वर्षभर इसकी जांच संभव नहीं हो पाती थी।

» **अब बिना बारिश के भी होगी रेल कोचों में पानी रिसाव की जांच**

इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए बिलासपुर कोचिंग डिपो के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करते हुए अधिकांशतः स्क्रैप सामग्री से इस टेस्ट बेंच का डिजाइन एवं निर्माण किया। केवल कुछ आवश्यक पुर्जों की ही बाजार से खरीद की गई, जिससे यह प्रणाली अत्यंत किफायती-संसाधन-सक्षम सिद्ध हुई है।

भाजपा सरकार कर रही सोलर उपभोक्ताओं के साथ ठगी : कन्हैया

रायपुर, 10 जुलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा सोलर उपभोक्ताओं के साथ किए जा रहे ठगी पूर्ण अन्याय के खिलाफकड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने सरकार के दोहरे रवैये पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बेचेंगे महंगा और खरीदेंगे सस्ता की नीति अपनाकर सरकार आम जनता और पर्यावरण के प्रति जागरूक सोलर उपभोक्ताओं का शोषण कर रही है। अग्रवाल ने जारी बयान में कहा कि एक तरफ प्रदेश में बिजली की दरों में लगातार भारी बढ़ोतरी की जा रही है और अघोषित बिजली कटौती से जनता बेहाल है। वहीं दूसरी तरफ, जो जागरूक नागरिक अपने पैसों से सोलर पैनल लगाकर बिजली उत्पादन में सरकार की मदद कर रहे हैं, उन्हें हतोत्साहित किया जा रहा है। सरकार सोलर के माध्यम से बिजली उत्पादन करने वाले उपभोक्ताओं से उनकी बिजली की खरीदी का मूल्य, जो पहले ढाई रुपए प्रति यूनिट था, उसे घटाकर अब मात्र एक रुपए 94 पैसे प्रति यूनिट करने जा रही है। यह निर्णय पूरी तरह से अन्यायपूर्ण, तर्कहीन और सोलर उपभोक्ताओं के साथ खुली ठगी है। कन्हैया अग्रवाल ने मांग की है कि सोलर बिजली की खरीदी दरों को घटाने के बजाय, उसे उसी अनुपात में बढ़ाया जाना चाहिए जिस दर पर सरकार आम जनता को महंगी बिजली बेच रही है। सरकार आज औसत 6 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली बेच रही है, तो फिर सोलर उत्पादकों को इतनी कम कीमत क्यों दी जा रही है?

पुलिस ने 160 किलो गांजा समेत प्रतिबंधित दवाएं फर्नेस में जलाईं

रायपुर, 10 जुलाई। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के नॉर्थ जोन में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों में जब्त प्रतिबंधित मादक पदार्थों का गुरुवार को सिलतरा स्थित जायसवाल एनईसीओ प्लांट में विधिसम्मत नष्टीकरण किया गया। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश, एनडीपीएस अधिनियम और केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में संपन्न हुई।

पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) मयंक गुर्जर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकाश मरकाम, सहायक पुलिस आयुक्त (उरला) पूर्णिमा लामा, आबकारी विभाग के उपायुक्त डॉ. प्रवीण वर्मा तथा संबंधित थाना प्रभारियों की मौजूदगी में कुल 43 एनडीपीएस प्रकरणों में जब्त मादक पदार्थों का नष्टीकरण किया गया।

कार्रवाई के दौरान 160.722 किलोग्राम गांजा, 100 ग्राम डोडा चूरा, 236 ग्राम अफीम, 2, 734 प्रतिबंधित टैबलेट और 503 प्रतिबंधित कफ सिरप को सिलतरा स्थित एनईसीओ प्लांट के फर्नेस में पर्यावरणीय मानकों और वैधानिक प्रावधानों का पालन करते हुए नष्ट किया गया।

रायपुर पुलिस ने कहा कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। जब्त नशीले पदार्थों का समयबद्ध नष्टीकरण उनके दोबारा अवैध उपयोग की संभावना को समाप्त करने और समाज को नशामुक्त एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सटोरियों को कांग्रेस का संरक्षण : भाजपा

रायपुर, 10 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने महादेव सट्टा ऐप मामले और छत्तीसगढ़ में हो रहे कथित अतिक्रमण को लेकर कांग्रेस पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ठाकुर यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ के दौरान पत्रकारों से मुखातिब थे।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि महादेव सट्टेबाजी मामले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर की ओमान में गिरफ्तारी हो चुकी है। दूसरी ओर, कांग्रेस के ही कोषाध्यक्ष, जो भ्रष्टाचार के मामलों में फरार चल रहे थे, को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। ठाकुर ने आरोप लगाया कि यह स्पष्ट है कि महादेव सट्टा कांग्रेस के संरक्षण में ही फला-फूला है। सट्टे का संचालक सौरभ चंद्राकर दुर्ग जिले से संबंध रखता है और कांग्रेस सरकार के समय लगभग आधे मंत्री इसी जिले से थे और संरक्षण व रायल्टी को लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री व गृह मंत्री के बीच सियासी टकराव से पूरा प्रदेश वाकिफहै। इन आरोपियों को छत्तीसगढ़ लाए जाने के बाद आने वाले समय में इस मामले में और भी कई बड़े नामों का खुलासा होगा। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से सटोरियों और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देती आई है। इसमें कांग्रेस के कोषाध्यक्ष का लिंक भी कहीं-न-कहीं जुड़ा हुआ था। कांग्रेस के लोग ही यह कहते रहे हैं कि किस प्रकार रामगोपाल अग्रवाल एकाधिकार सिण्डिकेट बनाकर पूर्व मुख्यमंत्री के सिण्डिकेट का कोषाध्यक्ष बनकर रह गए थे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने प्रदेश में बढ़ रहे अतिक्रमण का मुद्दा भी इस दौरान प्रमुखता से उठाया और कहा कि क्या छत्तीसगढ़ में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण सही माना जाना चाहिए? एक आम आदमी या कर्मचारी अपनी पूरी जिंदगी में सिर्फ1200 से 1500 वर्ग फीट में घर बनाने की सोच पाता है, जबकि कुछ लोग 12 हजार-15 हजार वर्गफीट जमीन पर अवैध कब्जा कर लेते हैं। ऐसी स्थिति में अगर हम सुसज्जित, विकसित और सुघ्घर छत्तीसगढ़ चाहते हैं तो क्या इस प्रकार का अतिक्रमण करना सही है?

थोक बाजार फेस-2 से मिलेगी व्यापार को गति

रायपुर, 10 जुलाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य तथा वित्त मंत्री ओ.पी. चैधरी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा एवं मोतीलाल साहू सहित विभिन्न आयोग, मंडलों, बोर्डों एवं निगमों के अध्यक्षों तथा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह ने प्रदेश के व्यापारिक विकास को नई दिशा प्रदान की।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ चेम्बर के पदाधिकारियों ने नवनिर्मित आधुनिक थोक बाजार को प्रदेश के व्यापारियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह परियोजना व्यापारियों को बेहतर अधोसंरचना एवं व्यावसायिक सुविधाएँ उपलब्ध कराएगी। इससे व्यापार को नई गति मिलेगी, रोजगार के अवसरों का विस्तार होगा तथा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर चेम्बर सलाहकार- अमर गिदवानी, मोहनलाल तेजवानी, कार्यकारी अध्यक्ष- राधाकिशन सुन्दरानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष-टी. श्रीनिवास रेड्डी, तनेश आहूजा, हरीश तोलानी, दिलीप इसरानी, राजेश पोपटानी, जवाहर थारानी, विनय कुमार साहू, मंत्री -अमर बरलोटा, प्रशांत गुप्ता, गुलाबचंद्र साहू, धनेश मटलानी, जतिन नचरानी एवं सदस्य-प्रेम सहित बड़ी संख्या में चेम्बर पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

किस मंत्री को फायदा पहुंचाने नकटी में की गई तोड़फोड़ : बैज

रायपुर, 10 जुलाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि नकटी में गरीबो का मकान तोड़ने के बाद सरकार कहती है, वहां विधायक आवास नहीं बनाया जायेगा। हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन अनुराग सिंहदेव, मंत्री केदार कश्यप पत्रकारवार्ता लेकर कहते है कि वहां पर विधायको के लिये मकान बनाने का कोई योजना नहीं है। आज ओ.पी. चौधरी का भी बयान आया है वहां विधायक आवास नहीं बनाया जायेगा।

अक्टूबर 2024 में आवास एवं पर्यावरण सचिव अंकित आनंद कलेक्टर को पत्र लिखकर षष्ठम विधानसभा के जनप्रतिनिधियों को आवास उपलब्ध करवाने हेतु नकटी में अतिक्रमण भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिये कहा था। इस पत्र में आयुक्त छ.ग. गृह निर्माण मंडल के पत्र क्र. 58 25 सितम्बर 2024 का हवाला भी दिया है। यह पत्र बताता है कि भाजपा नेताओं की हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन है, उन्होंने अपनी सरकार की गलती छुपाने झूठ बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विधानसभा में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा जब भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह के सवाल का जवाब दे रहे थे, उस समय उनको बताते हुए आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने स्पष्ट किया कि नकटी गांव में विधायकों के लिये आवास हेतु जगह चिन्हांकित है। गरीबों का आशियाना उजाड़ने के बाद सरकार सफाई दे रही है। सरकार को अपनी गलती का अहसास हो गया है तो वहीं पर तोड़े गये मकान फिर बनाये जाये तथा प्रभावितो को मुआवजा दिया जाये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य सरकार के किस मंत्री को फायदा पहुंचाने तथा किस भाजपा नेता के रिश्तेदार रजनीश चंद्राकर और नितिन अग्रवाल को फायदा पहुंचाने नकटी में तोड़-फोड़ की गयी?

लोक निर्माण विभाग राज्य का ग्रोथ इंजन : साव

रायपुर, 10 जुलाई। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विभागीय मुख्यालय 'निर्माण भवन' में प्रदेशभर में निर्माणाधीन और प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रत्येक कार्यों की प्रगति पर बारीक नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने फील्ड पर जाकर निर्माण कार्यों का गहन निरीक्षण और मॉनिटरिंग करने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों से बेहतर समन्वय और संवाद रख कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल और प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि विभाग के अभियंताओं की दक्षता और क्षमता फील्ड पर दिखनी चाहिए। उन्होंने प्रभावी एवं परिणाममूलक कार्यों के लिए समयानुकूल नई कार्यप्रणाली और कार्य संस्कृति अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने सभी आवश्यक प्रक्रियाएं तत्परता से पूर्ण कर आगामी सितम्बर-अक्टूबर तक नए कार्यों के कार्यादेश जारी करने के निर्देश दिए, जिससे कि बरसात के तत्काल बाद पूरी गति से काम शुरू हो सके। उन्होंने कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति के बाद सभी प्रक्रियाओं को तेजी से पूर्ण कर समय पर काम प्रारंभ कराने को कहा।

साव ने बैठक में कहा कि लोक निर्माण विभाग राज्य का 'ग्रोथ इंजन' है। राज्य में सड़क, पुल-पुलिया और भवन निर्माण के साथ ही सभी तरह की अधोसंरचना विकसित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी विभाग पर है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए विभाग को भी अहम भूमिका निभाना है। उन्होंने इसके लिए पूरी सक्रियता और गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को काम का पुराना ढर्रा बदलने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्यों के समय पर बिल तैयार करने और उनका हर महीने भुगतान करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने बैठक में अधिकारियों कोअनुशंसित कार्यों के साथ ही द्रुतगामी सड़कों व पुलों, पहुंचविहीन गांवों के लिए पक्की सड़कों, जिले की जरूरतों और विधायकों द्वारा अनुशंसित कार्यों की प्राथमिकता तय कर आगामी 31 अगस्त तक नए कार्यों के प्राक्कलन भेजने के निर्देश दिए।

फील्ड पर विभाग के काम और उनके परिणाम दिखने चाहिए

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि फील्ड पर विभाग के काम और उनके परिणाम दिखने चाहिए। उन्होंने सड़कों और पुल-पुलियों सहित स्कूलों, कॉलेजों, ऑडिटोरियम, कार्यालयों, आवासगृहों एवं अन्य भवनों के निर्माण निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों के साथ अनुबंध में निर्धारित माइलस्टोन्स के अनुसार प्रगति सुनिश्चित कर समय-सीमा में काम पूरा कराने को कहा। उन्होंने सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं को भू-अर्जन के कार्यों में तेजी लाने इससे संबंधित कानूनों व नियमों की व्यापक एवं समग्र जानकारी के लिए राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कार्यपालन अभियंताओं, अनुविभागीय अधिकारियों तथा उप अभियंताओं की कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए। साव ने पहुंचविहीन गांवों तक साल भर कनेक्टीविटी बनाए रखने के लिए सड़कों और पुलों के प्रस्ताव व प्राक्कलन प्राथमिकता से तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को पुराने लंबित कार्यों से जुड़ी समस्याओं का तत्परता से निराकरण कर काम आगे बढ़ाने को कहा। उन्होंने अनुबंध के अनुसार कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने वाले ठेकेदारों को ब्लैक-लिस्ट करने और उनके अनुबंध टर्मिनेट करने की कार्यवाही के निर्देश दिए।

PICTURE-स्टोरी

रायपुर 10 जुलाई। रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी, शाह एवं विष्णु देव साय का पुतला दहन किया।

विद्यार्थियों को तिलक लगाकर शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया

रायपुर, 10 जुलाई। विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला, ग्राम भुरकी (संकुल केंद्र निनवा) में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव एवं न्योता भोजन कार्यक्रम में भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी शामिल हुए। इस अवसर पर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया तथा उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, पालकों एवं ग्रामीणों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर योगेश तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। एक शिक्षित समाज ही मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। उन्होंने बच्चों से मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने माता-पिता, गुरुजनों और गांव का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शाला प्रवेशोत्सव केवल बच्चों का विद्यालय में प्रवेश कराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति समाज को जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण अभियान है। प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ना और उसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए शासन, शिक्षक, अभिभावक एवं समाज को मिलकर कार्य करना होगा। योगेश तिवारी ने न्योता भोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम विद्यालय, अभिभावकों और समाज के बीच आत्मीय संबंधों को मजबूत करता है। जब समाज शिक्षा से जुड़ता है, तब बच्चों में विद्यालय के प्रति अपनापन बढ़ता है और उनके सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होता है।

रोटरी क्लब में शपथ ग्रहण समारोह

रायपुर, 10 जुलाई। रोटरी क्लब ऑफरायपुर रॉयल के नवीन सत्र 2026-27 का पदस्थापना समारोह उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि प्रांतपाल रोटेरियन आलम सिंह रूपरा तथा विशिष्ट अतिथि आगामी प्रांतपाल रोटेरियन भानूप्रताप सिंह की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। समारोह में रोटरी क्लब ऑफ रायपुर रॉयल के अध्यक्ष रोटेरियन सुनील अग्रवाल एवं सचिव रोटेरियन अंकित गोयल ने पदभार ग्रहण किया। वहीं रोटरेक्ट क्लब ऑफरायपुर रॉयल के अध्यक्ष करण सिंह खनूजा एवं सचिव निशिका अग्रवाल तथा इंटरेक्ट क्लब ऑफ रायपुर रॉयल की अध्यक्ष वैष्णवी अग्रवाल एवं सचिव अनहाद धूपर ने भी अपने-अपने दायित्व संभाले। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आलम सिंह रूपरा ने अपने संबोधन में कहा कि रोटरी का मूल उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने नई टीम से सेवा, नेतृत्व एवं नवाचार के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने का आह्वान किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि क्लब आगामी वर्ष में समाज के विभिन्न वर्गों तक सेवा गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचाने का प्रयास करेगा। क्लब स्वास्थ्य शिविर, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, रक्तदान, महिला सशक्तिकरण तथा युवाओं के व्यक्तित्व विकास से जुड़े अनेक सेवा प्रकल्पों का आयोजन करेगा।

कार्रवाई | संचालकों को नियमों का कड़ाई से पालन करने के दिए गए निर्देश

10 स्पा सेंटरों की आकस्मिक जांच

रायपुर, 10 जुलाई। शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और स्पा सेंटरों में संभावित अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने शुक्रवार को पश्चिम क्षेत्र के विभिन्न स्पा सेंटरों में व्यापक आकस्मिक जांच अभियान चलाया। इस दौरान कुल 10 स्पा सेंटरों की गहन जांच की गई और संचालकों को नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) संदीप पटेल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) राहुल देव शर्मा के नेतृत्व में सहायक पुलिस आयुक्तों, थाना सरस्वती नगर, आजाद चौक और डी.डी. नगर की संयुक्त टीम ने संबंधित थाना क्षेत्रों में संचालित स्पा सेंटरों का औचक निरीक्षण किया।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने स्पा सेंटरों में संचालित गतिविधियों, कर्मचारियों के पहचान संबंधी दस्तावेज, आगंतुकों का रिकॉर्ड, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशील स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था तथा वैधानिक अभिलेखों की बारीकी से जांच की। साथ ही यह भी परखा गया कि स्पा सेंटर निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुरूप संचालित हो रहे हैं या नहीं तथा वहां किसी प्रकार की संदिग्ध या अवैध गतिविधि तो नहीं चल रही है। निरीक्षण के दौरान सभी संचालकों को कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कराने, आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखने, सीसीटीवी कैमरों को हमेशा चालू रखने और शासन के सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस तरह की आकस्मिक जांच लगातार जारी रहेगी। यदि किसी स्पा सेंटर में नियमों का उल्लंघन या किसी प्रकार की अवैध गतिविधि पाई जाती है तो संबंधित संचालकों के खिलाफ विधिसम्मत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26